रूड़की का प्रथम व एक मात्र हिन्दी दैनिक

परम नागरिक

यानि केवल पत्रकारिता

Now Visit us:
www.paramnagrik.in

आर.एन.आई. सं. UTTHIN/2011/36627
डाक पंजीयन- जी U/ADO/DDN/03/2024-2026

वर्ष 15 अंक 28 कुल पृष्ठ 8 रुड़की (हरिद्वार) सोमवार, 24 फरवरी, 2025 मूल्य ₹ 3.00

किसान मोर्चा व केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल की छठी बैठक भी रहीं बेनतीजा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा- बैठक अच्छे माहौल में हुई

ईएमएस

चंडीगढ़। न्यूनतम समर्थन मूल्य और अन्य मांगों को लेकर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर जारी किसानों के आंदोलन के बीच रविवार को संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) गैर राजनीतिक की केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ चंडीगढ़ में छठी बैठक भी बेनतीजा रही। ढाई घंटे चली इस बैठक में कोई हल नहीं निकल सका। अब अगली बैठक 19 मार्च को होना तय हुआ है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल मौजूद थे। पंजाब सरकार की ओर से वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और फूड प्रोसेसिंग मंत्री लालचंद कतरूचक भी शामिल थे।

किसान नेताओं के 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में सरवन सिंह पंधेर, अभिमन्यु कोहाड़, काका सिंह कोटडा, सुखजीत सिंह, अरुण सिन्हा, लखविंदर सिंह, जसविंदर लोंगोवाल, एमएस राय, नंद कुमार, बलवंत सिंह बेहरामके और इंद्रजीत सिंह कोटबुढ़ा मौजूद रहे। किसान 23 फसलों पर एमएसपी देने की बात पर अड़े हुए हैं जबकि मोदी सरकार दो-तीन और फसलों पर एमएसपी देने की बात कह रही है। सरकार अभी 18 फसलों पर एमएसपी दे रही है।

बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बैठक अच्छे माहौल में हुई। कुछ आंकड़े मांगे गए हैं। किसानों के पास अपने आंकड़े हैं और केंद्र सरकार के पास अपने। दोनों आंकड़ों को मिलाया जाएगा। केंद्रीय मंत्रियों ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील की। डल्लेवाल ने कहा कि जब तक सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी नहीं मिल जाती तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। शिवराज सिंह चौहान बैठक में आते ही डल्लेवाल के पास पहुंचे। उन्होंने डल्लेवाल से उनकी सेहत के बारे में पूछा। इसके बाद वह दूसरे किसान नेताओं से मिले। मोदी सरकार के साथ होने वाली बैठक को लेकर खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल को चंडीगढ़ के सेक्टर-26 पहुंचाया गया है। उन्हें एंबुलेंस के जरिए सरकार के साथ बैठक के लिए लाया गया था।

उधर बैठक से पहले किसान नेता सरवन पंधेर ने कहा था कि उनका 25 फरवरी को दिल्ली कूच का कार्यक्रम है। बैठक में पॉजिटिव रिस्पॉन्स नहीं मिला तो 25 फरवरी को 101 किसानों का जत्था वरिष्ठ किसान नेताओं की अगुवाई में दिल्ली कूच करेगा। इससे पहले चंडीगढ़ में 14 फरवरी को हुई केंद्र और किसानों की बैठक बेनतीजा रही। साढ़े 3 घंटे चली बैठक में कोई हल नहीं निकला।

स्वामी दयानंद सरस्वती ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में निभाई अहम भूमिका : राष्ट्रपति

आरएनएस

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय पुनर्जागरण के महान स्तंभ के रूप में याद किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन और उनके विचारों को अपनाने पर जोर देते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कहीं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीय पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभ स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती पर उन्हें मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। स्वामी दयानंद जी द्वारा चलाए गए शिक्षा और समाज सुधार कार्यक्रमों ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी शिक्षाएं सदैव प्रासंगिक रहेंगी। हमारे देश के प्राचीन गौरव को पुन: स्थापित करने के उनके विचारों से प्रेरणा लेकर हम सब भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ते रहें।

वहीं कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर लिखा, महान समाज सुधारक एवं आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती जी की जयंती पर सादर नमन। स्वामी दयानंद सरस्वती एक महान हिंदू दार्शनिक और समाज सुधारक थे। वे आर्य समाज के संस्थापक थे, जिन्होंने महिलाओं की असमानताओं और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनका जन्म गुजरात में 1824 में एक प्रमुख हिंदू ब्राह्मण परिवार में मूल शंकर तिवारी के रूप में हुआ था। उन्होंने बाल विवाह और सती जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत की चुनावी प्रक्रिया में कर रहे हस्तक्षेप

अवैध प्रवासी हमारे संसाधनों की कर रहे हैं मांग : धनखड़

ईएमएस

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अवैध प्रवासियों को लेकर दावा किया है कि अवैध प्रवासी देश की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं और इसके प्रति जागरूकता होनी चाहिए। अमेरिकी सरकार की ओर से हाल में अवैध प्रवासियों को भारत भेजने पर उन्होंने कहा कि हरेक भारतीय को पूछना चाहिए कि हमारे देश में यह प्रक्रिया कब शुरू होगी। धनखड़ ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह में बोले रहे थे। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग जिन्हें भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है, वे यहां रह रहे हैं। वे यहां अपनी आजीविका कमा रहे हैं।

धनखड़ ने कहा कि ये लोग हमारे संसाधनों को लेकर मांग कर रहे हैं। हमारी शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र, आवास क्षेत्र को लेकर। वे हमारी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश में एक ऐसा माहौल बनाएं कि हर भारतीय इसके प्रति सचेत हो। अमेरिका का जिक्र किए बिना उन्होंने कहा कि कुछ देशों ने हाल में उन भारतीय नागरिकों को निर्वासित कर दिया जिन्हें धोखे से वहां ले जाया गया था। धनखड़ ने कहा कि हर भारतीय के मन में यह सवाल आना चाहिए कि हम ऐसा कब शुरू करेंगे?

उपराष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं को एक शक्तिशाली समूह के रूप में काम करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और सरकार से पूछना चाहिए कि क्या वे अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा धर्म और सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति किसी भी धर्म का पालन कर सकता है, लेकिन प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण नहीं करा सकता है। भारत में मतदाता मतदान बढ़ाने के लिए यूएसएआईडी फंडिंग का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब आधिकारिक खुलासा हुआ है कि चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश की गई थी।

'मन की बात' कार्यक्रम के 119वें एपिसोड में बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

स्पेस साइंस में नई ऊंचाई छू रहा देश

ईएमएस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 'मन की बात' के 119वें एपिसोड में स्पेस साइंस पर विशेष चर्चा करते हुए क्रिकेट का भी खास जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन दिनों चौंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर जगह क्रिकेट का ही माहौल है। क्रिकेट में सेंचुरी का रोमांच तो हम सभी भली-भांति जानते हैं, लेकिन आज मैं, आप सब से क्रिकेट की नहीं, बल्कि भारत ने स्पेस में जो शानदार सेंचुरी बनाई उसकी बात करने वाला हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 119वें एपिसोड में देश की प्रगति और विभिन्न क्षेत्रों में हो रही महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने खासकर स्पेस साइंस, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल और स्वास्थ्य पर ध्यान देने खाद्य तेल के कम उपयोग पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा, कि इन दिनों चौंपियंस ट्रॉफी चल रही है, लेकिन मैं आज आपसे क्रिकेट नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में भारत द्वारा बनाए गए अद्भुत शतक के बारे में बात करूंगा। उन्होंने बताया कि पिछले महीने देश ने इसरो का 100वां रॉकेट लॉन्च देखा और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की लगातार बढ़ती उपलब्धियों की सूची का जिक्र किया। चाहे वो चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य एल-1 की सफलता हो या फिर एक साथ 104 सैटेलाइट लॉन्च करने का अभूतपूर्व मिशन, भारत अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाई छू रहा है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, कि भारत एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) क्षेत्र में भी तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। हाल ही में पेरिस सम्मेलन में भारत की इस क्षेत्र में प्रगति की सराहना की गई। उन्होंने तेलंगाना के आदिलाबाद के शिक्षक थॉसम कैलाश का उदाहरण दिया, जो एआई का उपयोग करके आदिवासी भाषाओं को संरक्षित कर रहे हैं, खासकर कोलामी भाषा में गाने बनाने के लिए।

इसके अलावा, पीएम मोदी ने उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों का भी उल्लेख किया, जहां देशभर के 11,000 से अधिक एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, यह खेलों की शक्ति है जो न केवल व्यक्तियों और समुदायों को बदलती है, बल्कि पूरे राज्य को भी सशक्त बनाती है। उत्तराखंड अब देश में एक सशक्त खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपनी सेना टीम को अधिकतम स्वर्ण पदक जीतने के लिए बधाई दी और खेलों को युवा पीढ़ी को प्रेरित करने और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक माध्यम बताया।

राष्ट्रीय खेलों पर थपथपाई उत्तराखंड की पीठ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

आरएनएस

देहरादून। 38 वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य और विराट आयोजन पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश से अपने 'मन की बात' कही। उत्तराखंड की पीठ थपथपाते हुए उन्होंने कहा-उत्तराखंड स्ट्रॉंग स्पोर्टिंग फोर्स के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने 28 जनवरी को देहरादून में 38 वें राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ किया था। तब उन्होंने ये उम्मीद जताई थी कि उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन करेगा। उत्तराखंड ने न सिर्फ खेलों का भव्य आयोजन किया, बल्कि खेल मैदान में भी उसका प्रदर्शन शानदार साबित हुआ। आकाशवाणी पर अपने लोकप्रिय कार्यक्रम श्मन की बातश के 119 वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने इन सारी बातों का जिक्र किया। उनके कार्यक्रम का काफी हिस्सा उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय खेलों पर केंद्रित रखा। 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा : मेरे प्यारे देशवासियों, आप में से बहुत सारे लोग ऐसे होंगे, जिन्होंने उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय खेलों के रोमांच का आनंद उठाया होगा। देशभर के 11,000 से अधिक एथलीट ने इसमें शानदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन ने देवभूमि के नए स्वरूप को पेश किया। उत्तराखंड अब देश में स्ट्रॉंग स्पोर्टिंग फोर्स के रूप में उभर रहा है। उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इस बार उत्तराखंड 7वें स्थान पर रहा। यही तो पॉवर ऑफ स्पोर्ट्स है, जो इंडिविजुअल और कम्युनिटीज के साथ-साथ पूरे राज्य का कायाकल्प कर देती है। इससे जहां भावी पीढ़ियां प्रेरित होती हैं, वहीं कल्चरल एक्सीलेंस को भी बढ़ावा मिलता है। उत्तराखंड में हुए नेशनल गेम्स ने ये भी दिखाया कि कभी हार न मानने वाले जीतते जरूर है। कम्फर्ट के साथ कोई चैंपियन नहीं बनता।

हमारी आस्था पर चोट पहुंचाना चाहता है विपक्ष : धामी

आरएनएस

हरिद्वार। भू-कानून को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह भू सुधार है। कहा कि लोगों की जनभावनाओं के अनुरूप कार्य किया गया है। स्टेक होल्डर्स से सुझाव लेकर सीमितियों ने जो प्रारंभिक रूप से सुझाव दिए, उसके अनुरूप ऐक्ट बनाकर विधानसभा में पारित किया गया है। कहा कि यह अभी हमारी शुरुआत हुई है, इस दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे। राज्यहित में जो भी जरूरी है, वह निर्णय लेते रहेंगे। यह बातें उन्होंने रविवार को हरिद्वार में मीडिया से बातचीत करते हुए कही। सीएम धामी ने विपक्ष की ओर से महाकुंभ को लेकर की जा रही राजनीति पर कहा कि करोड़ों लोगों ने संगम में डुबकी लगाई है। मैंने स्वयं जाकर वहां पर व्यवस्थाएं देखी हैं और जिस प्रकार की विपक्ष दल बातें कर रहा है वह हमारी आस्था सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था को चोट पहुंचाना चाहते हैं।

तेलंगाना सुरंग में फंसे आठ मजदूरों पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब भी देश के अंदर इस प्रकार की चुनौतियां आती हैं तो प्रधानमंत्री स्वयं वहां व्यक्तिगत रूप से चिंता करते हैं व्यक्तिगत रूप से मॉनिटरिंग करते हैं।

महासू महाराज मंदिर परिसर पुनर्निर्माण को 120 करोड़ का प्रावधान

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को त्यूनी जौनसार-बावर, देहरादून में आयोजित 'मुख्य सेवक संवाद-आपके द्वार' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और महिलाओं को किट वितरित की। मुख्यमंत्री ने महासू महाराज की पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें, टोंस की तट पर स्थित आध्यात्मिक चेतना विशिष्ट परंपराओं की भूमि में आने का मौका मिला। उन्होंने कहा 2022 विधानसभा परिणाम से पहले उन्होंने मासूम महाराज के दर्शन किए थे। ऐसे धाम में कोई भी देवों की इच्छा के बिना नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा वो स्वयं महाजू महाराज के अनन्य भक्त हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने जौनसार बाबर में विभिन्न विकास योजनाओं को आगे बढ़ाया है। इस क्षेत्र के पर्यटन स्थलों को विश्व पटल पर एक नई पहचान दिलाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य आरंभ किए गए हैं। महासू महाराज मंदिर परिसर के पुनर्निर्माण के लिए 120 करोड़ का प्रावधान किया गया है। मास्टर प्लान के बाद यहां तीर्थाटन और रोजगार बढ़ेंगे। राज्य सरकार विकास के साथ विरासत को भी आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा हनोल के मास्टर प्लान पर जिस प्रकार की आवश्यकता है, उसे विस्तार दिया जाएगा। अभी इस मास्टर प्लान की शुरुआत है। हनोल मास्टर प्लान से इस क्षेत्र में बहुत बड़ी समृद्धि आने वाली है। प्रधानमंत्री जी की भी प्राथमिकता में यह पूरा क्षेत्र है। भविष्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस क्षेत्र में आएंगे जिससे यहां रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

यूएसएआईडी फंडिग का सच जल्द आएगा सामने : जयशंकर

ईएमएस

नई दिल्ली। अमेरिका से भारत को हुई कथित फंडिंग को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भरोसा दिलाते हुए कहा है कि इसकी सच्चाई भी सामने आएगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) की चुनाव संबंधित फंडिंग पर जारी जानकारी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि क्या कोई लोग बुरी नीयत की गतिविधियों से जुड़े हैं। जयशंकर यह बयान दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव में दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा दिए गए उस बयान का संदर्भ लिया जिसमें डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियंसी (डीओजीई) द्वारा यूएसएआईडी की ओर से दुनिया भर में सौ करोड़ डॉलर की रकम को रद्द करने की बात कही गई है। इसमें भारत में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए दिए जाने वाले 2.1 करोड़ डॉलर का फंड भी शामिल था। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ जानकारी ट्रंप प्रशासन द्वारा साझा की गई है और यह निश्चित रूप से चिंताजनक है। इसका मतलब यह हो सकता है कि कुछ गतिविधियां एक निश्चित उद्देश्य को लेकर की जा रही हैं, जिससे कोई दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा रहा हो। उन्होंने यह भी कहा कि यूएसएआईडी को भारत में ईमानदारी से काम करने की उम्मीद के साथ प्रवेश दिया गया था।

राज्यपाल ने हथियार छोड़ने पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की कही थी बात

राष्ट्रपति शासन से उग्रवादी हुए नरम, जमा करने लगे लूटे हुए हथियार

ईएमएस

इंफाल। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने कहा था कि उग्रवादी संगठन अपने हथियार सरेंडर कर दें। उनकी इस अपील का असर अब दिखाई दे रहा है। चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिले के कई उग्रवादियों और लोगों ने हथियार जमा करा दिए हैं। राज्य में असम राइफल्स, सीआरपीएफ और पुलिस ने एक अभियान भी चलाया है जिससे वहां के समाज को हथियार मुक्त बनाया जा सके और हिंसा को रोका जा सके।

जानकारी के मुताबिक शनिवार को 16 अवैध और लूटे गए हथियार सरेंडर किए गए। इनमें एक एम-16 राइफल, एक 7.62 एमएम एसएलआर, दो एके श्रेणी की राइफल, तीन इनसास राइफल और अन्य खतरनाक हथियार शामिल हैं। गोला बारूद में 64 जिलेटिन रॉड, 10 राउंड 60 एमएम पुंपी, 17 राउंड एके राइफल के कारतूस और गोलियां शामिल हैं। एक लूटी गई टियर गैस गन भी अधिकारियों को सौंप गई है। आने वाले समय में कई संगठनों ने हथियार डालने का वादा किया है।

वहीं मेइती संगठनों के एक निकाय ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वह इस प्रक्रिया में सहयोगात्मक दृष्टिकोण के लिए युवा नेताओं के साथ औपचारिक रूप से जुड़ें। कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटेग्रिटी ने एक बयान में यह भी कहा कि सात दिन की समय सीमा बहुत कम है। राज्यपाल भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य के लोगों से सात दिन के अंदर हथियार सौंपने को कहा था। उन्होंने आश्वासन दिया था कि इस अवधि के दौरान हथियार छोड़ने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा था कि समय सीमा खत्म होने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीओसीओएमआई ने कहा कि हम इसे देश के कानून के तहत एक जरुरी कदम मानते हैं। उन परिस्थितियों को पहचानना जरूरी है जिनके कारण स्थानीय युवाओं ने हथियार उठाए और हथियार लूटे। यह स्थिति सरकारी सुरक्षा बलों की अक्षमता के कारण पैदा हुई है जो संकट के चरम पर होने के समय गांवों की रक्षा करने में विफल रहे हैं।

आतिशी बनीं विपक्ष की नेता

दिल्ली विधानसभा में आमने-सामने होंगी दो महिलाएं

ईएमएस

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में अब दो महिलाएं आमने-सामने होंगी। एक ओर बीजेपी ने विधायक रेखा गुप्ता को सीएम बनाया है तो वहीं आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी को नेता विपक्ष बनाया है। रविवार को आप की विधायक दल की बैठक में नेता विपक्ष के लिए पूर्व सीएम आतिशी के नाम पर मुहर लग गई। दिल्ली में बीजेपी के बाद अब आप ने महिला कार्ड खेला है।

इससे पहले आतिशी दिल्ली सरकार में शिक्षा, वित्त, और ऊर्जा जैसी अहम जिम्मेदारियां संभाल रही थीं। पांच महीने जब अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया तो आतिशी पर भरोसा जताया गया था। पिछले साल सितंबर में आतिशी ने सीएम पद की शपथ ली थी और सिर्फ पांच महीने में ही वह विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभाने को तैयार हैं।

बतौर सीएम आतिशी के कामकाज के चलते पार्टी के भीतर भी उनका कद बढ़ा है। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में जब अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज जैसे पार्टी के बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा तब आतिशी कालकाजी से अपनी सीट बचाने में कामयाब रही हैं।

भू कानून लागू करने पर साधुवाद के पात्र हैं मुख्यमंत्री धामी

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने उत्तराखंड में नया भू कानून लागू करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने सख्त भू-कानून लागू किए जाने का स्वागत करते हुए प्रदेश की धामी सरकार को साधुवाद और आशीर्वाद देते हुए कहा कि भू-कानून से पहाड़ों की पलायन की समस्या दूर होगी। पहाड़ों में जमीन बेची जा रही थी। जमीन की गलत तरीके से खरीद फरोख्त पर रोक लगने से पहाड़ों पर कृषि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि भू कानून लागू होने से उत्तराखंड की संस्कृति का सरंक्षण होगा। राज्य के मूल स्वरूप की रक्षा होगी। राज्य भूमाफियाओं के चंगुल में जाने से बचेगा। पर्वतीय जनपदों में डेमाग्राफी चेंज पर भी रोक लगेगी। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने हरिद्वार और उधम सिंह नगर को भू कानून से बाहर रखे जाने का भी स्वागत किया और कहा कि हरिद्वार और उधम सिंह नगर को भू-कानून से बाहर रखे जाने से दोनों जनपदों में औद्योगिकीकरण बढ़ेगा। इंडस्ट्री लगने से प्रदेश में विकास की नई बयार बहेगी। युवाओं को रोजगार मिलेगा।

वहीं प्रदेश में लागू भू-कानून को लेकर उद्योग संगठनों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया है। कहा कि यह निर्णय स्वागत योग्य है। इससे जमीन की हो रही खरीद फरोख्त पर लगाम लगेगी। बिना सरकार की अनुमति के कोई भी बाहरी व्यक्ति एक इंच जमीन भी नहीं खरीद सकेगा। रविवार को जिले के पांच औद्योगिक संगठनों ने शिवालिक नगर स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता की।

रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

रक्तदान है सबसे बड़ा दान : मदन कौशिक

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। वी केयर डायग्नोस्टिक कमलेश मेमोरियल अस्पताल हनुमान गढ़ी कनखल में स्वैच्छिक रक्तदान एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कमलेश अग्रवाल की स्मृति में आयोजित रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन नगर विधायक मदन कौशिक ने रिबन काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में 90 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जबकि विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में दो सौ से अधिक मरीजों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की गयी।

शिविर के आयोजन के लिए वी केयर डायग्नोस्टिक कमलेश मेमोरियल अस्पताल के संचालक विवेक अग्रवाल की सराहना करते हुए विधायक मदन कौशिक ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। रक्तदान करने के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वयं समझनी चाहिए। रक्तदान से ही रक्त की कमी को दूर किया जा सकता है। एक ही छत के नीचे चिकित्सकों द्वारा रोगियों को परामर्श एवं जांच की सुविधा उपलब्ध कराना सराहनीय कदम है। इस तरह के शिविर क्षेत्र के लोगों के लिए लाभकारी होते हैं। विवेक अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए रक्तदान शिविर के साथ स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें न्यूरो डा.गौरव सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा.वसुंधरा, जर्नल सर्जन डा.राजकुमार, त्वचा रोग विशेषज्ञ डा.नेहा एवं फिजीशियन राजीव कुमार ने मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। पार्षद परमिन्दर गिल व अतुल गर्ग ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर समय-समय पर लगाए जाने चाहिए। रक्तदान को लेकर लोगों में भ्रांतियां बनी रहती हैं। रक्तदान करने से शरीर में नए रक्त का संचार होता है। जिससे कई रोग दूर होते हैं और स्वास्थ्य बेहतर होता है। इस अवसर पर पार्षद सुनील अग्रवाल गुड्डू, भूपेंद्र कुमार, प्रशांत कुमार, सचिन अग्रवाल, मुकुल पराशर, रामकुमार अग्रवाल, राजेंद्र गुरूंग, गगन गुप्ता, सुशील कोठियाल, शुभम शर्मा, मनोज सिंघल, मनोज सिंघल, हरवेंद्र, विक्की, हीरा बिष्ट, सोनी राजपूत, भावना शर्मा, योगेश कुमार, कीर्ति आदि शिविर के आयोजन में सहयोग किया।

कंबल कारोबारी के गोदाम से 27 लाख के कंबल चोरी

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। कंबल कारोबारी ने कर्मचारी पर दुकान और गोदाम से 27 लाख रुपये का माल चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कर्मचारी से भी पूछताछ की जा रही है। हरिद्वार रेलवे स्टेशन रोड पर शंभू नाथ शर्मा की गंगा कंबल स्टोर के नाम से दुकान है। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने बताया कि वह ब्रांडेड कंपनी के कंबल, बेडशीट, जैकेट आदि सामान बेचते हैं। उनके अलावा अन्य प्रतिष्ठानों पर उक्त कंपनी का सामान आता है। उनकी दुकान पर राजेंद्र सिंह नेगी पिछले करीब 20 साल से कार्यरत है। बताया कि कुछ काम से उनका पुत्र श्यामपुर गाजीवाली में गया था। जहां उसने बालाजी धाम आश्रम के सामने उक्त ब्रांड के कंबल व विशेष फर्मों के बैडशीट स्वेटर, शाल, जैकेट टंगे हुए देखे। आरोप है कि पता करने पर मालूम हुआ कि ये दुकान राजेंद्र सिंह नेगी का भाई चला रहा है। जो माल वहां टंगा हुआ था वह सिर्फ उनकी दुकान पर ही आता है। इसके बाद लगातार दुकान और गोदाम के स्टॉक का मिलान किया गया। तब 27 लाख का माल गायब मिला। कोतवाल कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं प्लॉट की फाउंडेशन भरकर कब्जे की कोशिश करने के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ रानीपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मनव्वर हसन पुत्र अब्दुल हमीद ने बताया कि उनका और एडवोकेट अशद का गांव में ही प्लॉट है। जिस पर गुलशनव्वर उर्फ बुल्ला जेसीबी से फाउंडेशन भरकर कब्जे की कोशिश कर रहा था। रोकने पर दोनों से गाली-गलौज की।

मूल निवास भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति ने किया मंत्री अग्रवाल का पुतला दहन

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। मूल निवास भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति हरिद्वार ने रविवार को नवोदय नगर में शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया। समिति के संयोजक अतोल गोसाईं ने कहा कि जब तक धामी सरकार प्रेमचंद अग्रवाल को मंत्रीमंडल से बर्खास्त नहीं करती है, तब तक निरंतर पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। संघर्ष समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी एसपी जुयाल ने कहा कि उत्तराखंड राज्य शहीदों के बदौलत मिला है, इस राज्य के लिए उत्तराखंड के लोगों ने गोलियां खाईं, प्राण न्योछावर किए, मां-बहनों की आबरू लूटी गई। तब जाकर यह राज्य मिला। आरोप लगाया कि आज विधानसभा के मंदिर में सरकार का मंत्री पूरे उत्तराखंड समाज को गाली देने का घृणित कार्य कर रहा है और सरकार मौन धारण किए हुए है, जो कि बहुत ही शर्मनाक है, निंदनीय है। कहा कि सरकार को तत्काल अग्रवाल को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। कुंवर सिंह बिष्ट ने कहा कि धामी सरकार ने भू-कानून संशोधन विधेयक जो लाया है, यह उत्तराखंड के निवासियों के साथ छलावा है, इस संशोधित भू-कानून में कई छेद हैं जो कि जमीनों की खुली बंदरबाट निरंतर जारी रहने के लिए लाया गया है। हमारी मांग है कि एक सख्त भू-कानून पूरे प्रदेश में लागू हो और मूल निवास पूरे प्रदेश में लागू हो। प्रदर्शन करने वालों में तीरथ सिंह पटवाल, जगदीश प्रसाद भट्ट, जय किशन न्यूली, धर्म सिंह बिष्ट, जीवन सिंह नेगी, गमाल सिंह बिष्ट, पीतांबर मिश्रा, शिव सिंह बिष्ट, शिवचरण, वीर सिंह बिष्ट, भगत सिंह रावत, किशोर सती आदि सैकड़ों की संख्या में नवोदय नगर वासी मौजूद रहे।

अस्पताल में मरीजों को मिलेगा सस्ता इलाज

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। इएमए के सौजन्य से रविवार को अलीपुर स्थित बालाजी इंस्टीट्यूट एंड हास्पिटल का लोकार्पण एवं चिकित्सक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ इंटरनेशनल काउंसिल आफ स्पेजरिक मेडिसिन तथा अमेरिकन न्यूट्रीशनल मेडिकल एसोसिएशन यूएसए के चेयरमैन डा.देवाशीष कुंडु, केंद्रीय चिकित्सा परिषद आफ इएच मेडिसिन दिल्ली के रजिस्ट्रार डा. एमआई खान तथा इएमए इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बीआई एंड हास्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डा.केपीएस चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डा.देवाशीष कुंडु, डा.एमआई खान ने बालाजी इंस्टीट्यूट एंड हास्पिटल का लोकार्पण भी किया। डा.चौहान ने बताया कि बालाजी इंस्टीट्यूट एवं हास्पिटल मे साध्य, असाध्य एवं सभी जटिल, रसोली, ट्यूमर, पथरी एवं क्रिटिकल बीमारियों का सस्ता इलाज बिना सर्जरी से एडवांस स्पेजरिक मेडिसिन से किया जायेगा। डा.चौहान ने यह भी बताया कि अस्पताल में नैदानिक परीक्षण नि:शुल्क किये जायेंगे। डा.देवाशीष कुंडु ने कहा कि रेटिना स्केन (आइरिस एनालाइसिस) जांच तकनीक तथा स्पेजरिक मेडिसिन रोग को ठीक करने के साथ ही शरीर को न्यूट्रीशन भी प्रदान करती है, से इलाज केवल इसी हास्पिटल में किया जायेगा। डा. एमआई खान ने कहा कि इएमए द्वारा बालाजी इंस्टीट्यूट एवं हास्पिटल खोले जाने से बहादराबाद के ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के साथ साथ यहां की जनता को एडवांस स्पेजरिक मेडिसिन से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य लाभ लेने की सुविधा मिलेगी। डा. खान ने यह भी कहा कि उत्तराखंड राज्य में यह पहला अस्पताल स्थापित किया गया है। जहां एडवांस स्पेजरिक नेचुरल औषधियों से कम खर्च में मरीजों का इलाज किया जायेगा। डा.कुंडु ने डा.चौहान को दो पुस्तकें भी भेंट की। समारोह में डा.एमटी अंसारी एवं डा.एसपी डोभाल को अवार्ड आफ एक्सीलेंस, डा.देबाशीष कुंडु, डा. एमआई खान को अवार्ड आफ ऑनर, डा.सुनील अग्रवाल, डा. एनएस टाकुली, डा.अमरपाल अग्रवाल, डा.सुरेंद्र गुज्जर, डा.महेश कोरी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड तथा अवार्ड आफ एप्रिसिएशन एवं बेस्ट प्रेक्टिशनर अवार्ड प्रदान किए गए।

मोती बाजार में दुकान में लगी आग

संवाद सहयोगी

हरिद्वार बीती रात नगर कोतवाली अंतर्गत मोती बाजार में एक दुकान में आग लग गयी। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान फायर कर्मियों ने पांच लोगों को सकुशल बचा लिया। लेकिन दुकान में रखा लाखों रूपए का सामान जल कर राख हो गया।

बीती रात करीब साढेघ् दस मोती बाजार ठंडे कुंए के पास एक दुकान में आग लग गयी। आग तेजी से दुकान के ऊपर बने घर तक पहुंच गयी। घर में करीब पांच लोग मौजूद थे। आग दुकान के निकट सिखौला भवन धर्मशाला तक फैलने लगी। धर्मशाला में 40-50 कांवड़ यात्री ठहरे हुए थे। लोगों के सूचना देने पर मायापुर फायर स्टेशन से तत्काल फायर यूनिट मौके पर पहुंची। आग की विकरालता को देखते हुए रूड़की व सिडकुल से भी फायर यूनिट को मौके पर बुलाया गया। फायर कर्मियों ने 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और सभी लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। घटना स्थल का रास्ता संकरी गली से होने के कारण फायर टेंडर को घटनास्थल पर पहुंचने में काफी कठिनाई का सामना भी करना पड़ा। लेकिन तमाम बाधाओं को पार पाकर मौके पर पहुंची टीम ने बहुत बड़ी दुर्घटना होने से टाल दी।

साथी के साथ मिलकर कांवड़ मेले में स्मैक बेचने का था प्लान

बरेली से स्मैक लेकर आए नशा तस्कर को किया गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। नगर कोतवाली पुलिस ने बरेली से स्मैक की खेप लेकर आए एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बरेली से स्मैक लाकर हरिद्वार में चल रहे कांवड़ मेले में बेचने के लिए अपने साथी को पहुंचाने आया था। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 100.76 ग्राम स्मैक, डिटिजल तराजू व मोबाइल फोन बरामद हुआ है। नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किए गए आरोपी सुभान हुसैन पुत्र अबदार हुसैन नि0 ग्राम मजनूपुर थाना भमौरा जिला बरेली यूपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकद्मा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पूछताछ में प्रकाश में आए उसके साथी की पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। छठवीं पास आरोपी मैकेनिक का काम करता है। बरेली से स्मैक लाकर हरिद्वार में अपने साथी को देने के लिए लेकर आया था। दोनों स्मैक को शारदीय कांवड़ मेले में बेच कर मोटा मुनाफा कमाने की फिराक में थे। पुलिस टीम में एसआई आनन्द मेहरा, कांस्टेबल जसवीर व सत्यपाल शामिल रहे।

पतंजलि विवि में किया खेल प्रतियोगिता का आयोजन

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में रविवार को वार्षिकोत्सव 'अभ्युदय' के अंतर्गत 23 फरवरी से 27 फरवरी तक चलने वाले 'नॉक-आउट' खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया।

इस मौके पर पतंजलि विवि के कुलसचिव आलोक कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्मानुशासन, सहयोग और खेल भावना का प्रतीक हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से खेलों को अनुशासन, समर्पण और सौहार्द के साथ खेलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा की राष्ट्र के विकास में युवाओं की अहम भूमिका है। युवाओं का सर्वांगीण विकास खेलों के अभाव में संभव नहीं है। विश्वविद्यालय के कुलानुशासक आर्षदेव ने प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों से आक्रामकता के साथ-साथ जीत के लिए खेलने की बात कही। उन्होंने कहा कि खेल केवल भागीदारी तक सीमित नहीं हैं। बल्कि लक्ष्य को प्राप्त करने की मानसिकता भी उतनी ही आवश्यक है। खिलाड़ी खेल भावना को बनाए रखते हुए अपने श्रेष्ठतम प्रदर्शन के लिए प्रयास करें। प्रतियोगिता में दौड़, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन जैसे खेलों को शामिल किया गया है। पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिनमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और खेल भावना का अद्भुत परिचय दिया। इस नॉकआउट प्रतियोगिता के विजेता आगामी 28 फरवरी से 2 मार्च तक आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव 'अभ्युदय' के फाइनल राउंड में हिस्सा लेंगे। इस दौरान विभिन्न खेलों के निर्णायक मुकाबले खेले जाएंगे और विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता के मुख्य समन्वयक डा.भागीरथी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में टीम वर्क, सहनशीलता और आत्मविश्वास का विकास होता है। इस मौके पर पतंजलि विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा.ए.के. सिंह , डीन छात्र-कल्याण डा.बिपिन दूबे सहित सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिवालिकनगर में 22 वर्षीय महिला ने लगाई फांसी

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। हरिद्वार की पॉश कॉलोनी शिवालिक नगर में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली रानीपुर प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने कहा कि रविवार सुबह सूचना मिली कि शिवालिक नगर के एच कलस्टर में गृह क्लेश के चलते एक निजी बीएड कॉलेज का संचालन करने वाले व्यक्ति की पत्नी ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलने पर गैस प्लांट चौकी प्रभारी विकास रावत, महिला एसआई प्रियंका इजरायल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुपट्टे के फंदे के सहारे लटक रहे शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान रश्मि 22 वर्ष पत्नी हरित सिंह निवासी एच-113 शिवालिक नगर के रूप में हुई। बताया कि मृतका का अपने पति से विवाद हुआ था। विवाद के बाद पति बहादराबाद क्षेत्र में अपने बीएड कॉलेज में सोने के लिए चला गया था, जिसके बाद उसने फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। बताया कि सुबह के वक्त नौकरानी जब घर पर पहुंची तब घर का दरवाजा बंद मिला। अंदर झांकने पर दंपति की बेटी दिखाई दी, जिसने दरवाजा खोला तब कहीं जाकर घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलने पर पति भी मौके पर पहुंचा। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मृतका की शादी को सात वर्ष से कम समय हुआ है। परिजन भी यहां पहुंच गए हैं।

वहीं दूसरी ओर शहर कोतवाली पुलिस की टीम ने लाखों रुपये की कीमत की 100.76 ग्राम स्मैक के साथ बरेली के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि नशा मुक्त देवभूमि के तहत लगातार अभियान चलाकर नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार की देर रात पुलिस टीम ऋषिकुल के पास चेकिंग कर रही थी। यहां एक व्यक्ति को पैदल आते हुए रोकने की कोशिश की गई तो वह भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने कुछ ही दूरी पर घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया और पूछताछ करते हुए तलाशी ली। तब उसके पास से 100.76 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

बंद मकान से 15 लाख के गहने व नकदी चोरी किए

रुड़की। कस्बे में चोरों ने बंद पड़े मकान में घुसकर करीब 5 लाख रुपये की नकदी तथा 10 लाख के आसपास के सोने व चांदी के गहने चुरा लिए। घटना के समय मकान में रहने वाले सभी चार परिवारों के लोग रिश्तेदार की शादी में सहारनपुर गए हुए थे। पुलिस मुकदमा दर्ज कर चारों का सुराग तलाश कर रही है। कोतवाल राजीप रौथाण ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिस जगह चोरी हुई है, पुलिस की टीम उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखकर चोरी करने वालों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

वहीं पुलिस ने एक आरोपी को कच्ची शराब सहित गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस कर्मियों ने एक व्यक्ति को रोक कर उससे 10 लीटर कच्ची शराब की है। आरोपी ने अपना नाम अमरजीत बताया है।

आवास विकास में हुआ मेयर अनीता का स्वागत

क्षेत्रवासियों ने बताई समस्याएं, समाधान का मिला वादा

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। आवास विकास वासियों ने नवनिर्वाचित मेयर अनीता अग्रवाल का स्वागत किया। क्षेत्र के लोगों ने समस्याएं बताई और रविवार को भी सफाई करवाने की मांग की। इसके साथ ही बुजुर्गों ने मनोरंजन क्लब खोले जाने की मांग मेयर से की। मेयर ने आश्वासन दिया कि रविवार को भी शहर में सफाई कार्य हुआ करेगा इस पर विचार किया जा रहा है।

श्री नीलेश्वर महादेव सेवा समिति एवं आवास विकास वासियों की ओर से मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में कॉलोनी वासियों ने फूल मालाओं से नवनिर्वाचित मेयर अनीता अग्रवाल एवं भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ललित मोहन अग्रवाल का स्वागत किया। मेयर अनीता अग्रवाल ने भी सभा में सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मूलभूत समस्याओं को दूर करने के साथ शहर में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। ललित मोहन अग्रवाल ने कहा कि शहर की समस्याओं के लिए 24 घंटे जनता के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि शहर में जो विकास कार्य पहले नहीं हुआ उसको वह पूरा करेंगे साथ ही जहां पर लाईट नहीं है पार्क में असुविधाएं हैं उनको भी पूरा करने का काम करेंगे। वरिष्ठ नागरिक बीएम शर्मा ने मेयर से सीनियर सिटीजन के लिए मनोरंजन क्लब खोले जाने की मांग की। बीएल अग्रवाल ने आवारा कुत्तों के आतंक की समस्याएं बताई और उसके समाधान की मांग की। कार्यक्रम का संचालन पार्षद राकेश गर्ग ने किया। इस अवसर पर आचार्य रजनीश शास्त्री,बृजपाल सिंह, राजपाल सिंह, क्षेत्रपाल, नरेश शर्मा, सुमन जैन,अर्जुन गुप्ता, सुधीर चौधरी, विभोर अग्रवाल, अमित शर्मा,बी एल अग्रवाल,रामेश्वर मिश्रा, गुलशन वेदी, बीएम शर्मा, राहुल शर्मा, मनोज कुमार, मदन सिंह विष्ट, करण चांदना,सुमित आहूजा, अरुण कुमार मित्तल, उमेश सिंघल, उमेश त्यागी, अशोक आर्य, मदन लाल जैन,रविंद्र सिंह,चरण सिंह,महेंद्र सैनी, आरपी शर्मा, प्रदीप ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, सारा सामान जलकर राख

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। सिविल लाइन कोतवाली अंतर्गत खानपुर विधानसभा के टोडा कल्याण पुर वाल्मीकि बस्ती में सफाई कर्मी के घर में शॉर्ट सर्किट के कारण भयंकर आग लग गई जिससे घर में रखा सारा सामान देखते ही देखते जलकर खाक हो गया। आसपास के लोगों ने मौके पर मौजूद बच्चों की जान बड़ी मुश्किल से बचाई और समर सेबल के जरिए आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे और उसके बाद सूचना मिलने पर दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया लेकिन जब तक घर का घर का सभी सामान जलकर खाक हो चुका था।

टोडा कल्याणपुर की बाल्मीकि स्थित मलखान सिंह आईआईटी रुड़की में सफाई कर्मी है उन्होंने बताया कि वह और उनकी पत्नी बच्चों को छोड़कर काम पर चले गए थे आज सुबह लगभग 10 बजे अचानक शॉर्ट सर्किट से घर मे आग लग गयी सूचना मिलने पर पहुँचे तब तक घर का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। पड़ोसियों ने बच्चों को बचाकर बाहर निकाला और आग को बुझाने का प्रयास किया पर असफल रहे और सारा सामान जलकर खाक हो गया।हादसे की सूचना मिलने पर खानपुर विधायक की पत्नी सोनिया शर्मा पीड़ित परिवार से मिली और हादसे की जानकारी ली साथ ही तहसील कर्मियो को बुलाकर हुए नुकसान की रिपोर्ट बनवायी जिससे प्रशासन और शासन स्तर पर पीड़ित परिवार की मदद की जा सके यही नही सोनिया शर्मा ने अपनी ओर से पीड़ित परिवार को नकद आर्थिक सहायता भी देकर हर सम्भव मदद का आश्वासन भी दिया।

रुड़की को जिला बनाने को लोजमो का धरना, लोगों का मिला समर्थन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। रुड़की को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरने का आयोजन किया गया। कांग्रेस के चार विधायकों ने रुड़की जिले के मुद्दे का समर्थन किया साथ ही भरोसा दिलाया कि आने वाले विधानसभा सत्र में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। वक्ताओं ने इस मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान सहित बड़ा आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

लोकतांत्रिक जनमोर्चा रुड़की की ओर से सिविल लाइन स्थित शहीद चंद्रशेखर चौक पर पूर्व राज्य मंत्री मेला राम प्रजापति की अध्यक्षता में धरने का आयोजन किया गया। लोजमो संयोजक सुभाष सैनी ने कहा कि रुड़की जिला बनाए जाने तक लोजमो का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जन भावनाओं से जुड़े मुद्दे पर आज हर कोई चाहता है कि रुड़की जिला बने। धरना प्रदर्शन में पहुंचे विधायक वीरेंद्र जाती ने कहा कि रुड़की जिला बनाए जाने के मुद्दे पर हम लोकतांत्रिक जनमोर्चा के साथ हैं । उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे आगामी विधानसभा सत्र में रुड़की जिले के इस मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाएंगे। अपरिहार्य कारणों से धरना प्रदर्शन में नहीं पहुंच पाए विधायक श्रीमती ममता राकेश, विधायक हाजी फुरकान तथा विधायक इंजी रवि बहादुर ने पत्र भेज कर मोर्चा के ष्रुड़की जिला बनाओष मुद्दे का समर्थन किया तथा भरोसा दिलाया कि आगामी विधानसभा सत्र में रुड़की जिले की मांग के मुद्दे को जोर शोर से उठाया जाएगा। वक्ताओं में पूर्व सांसद राजेंद्र बाड़ी, वरिष्ठ भाजपा नेता हर्ष प्रकाश काला, शिक्षाविद् डॉ रकम सिंह, किसान नेता फरमान त्यागी एडवोकेट, कांग्रेस नेता सलीम खान, प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार, सफाई कर्मचारी नेता सनाती बिरला, कांग्रेस नेता कलीम खान, आर्य समाज नेता हरपाल आर्य, वरिष्ठ अधिवक्ता उदय सिंह यादव ने कहा कि रुड़की जिले की न्यायोचित मांग को यदि सरकार जल्दी पूरा नहीं करती तो मोर्चा की ओर से इस मुद्दे पर बड़ा हस्ताक्षर अभियान व बड़ा आंदोलन किए जाने की आवश्यकता है। सभी वक्ताओं ने रुड़की जिले के मुद्दे की मांग पर मोर्चा को अपना समर्थन जारी रहने की घोषणा भी की। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस नेता श्रवण गोस्वामी,सतीश रोहिला एडवोकेट,किसान नेता चौ ऋषिपाल सैनी ,शिक्षक नेता रियाजुद्दीन, व्यापारी नेता अरविंद कश्यप, व्यापारी नेता कमल चावला,सफाई कर्मचारी नेता सत्यपाल वैद्य, रवि चौटाला, ठाकुर राजपाल सिंह, पूर्व सभासद मौ राशिद, पार्षद चारु, ठाकुर दलजीत सिंह, भूषण त्यागी, युवा नेता मोहित त्यागी, प्रतीक त्यागी एडवोकेट, सुरेश माहेश्वरी एडवोकेट, दरोगा इन्द्रसैन, अजय राठौर, उम्मीद गाजी, आदि शामिल रहे।

जिले की 6 सहकारी समितियों में चुनाव स्थगित

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। उच्च न्यायालय के आदेश पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हरिद्वार ने जिले की छह समितियों में चुनाव प्रक्रिया को स्थगित करने का आदेश जारी किया है। उच्च न्यायालय ने एक रिट की सुनवाई करते हुए समितियों में निर्वाचन अधिकारी के तौर पर नियुक्त अशासकीय विद्यालय के शिक्षको को उक्त निर्वाचन के लिए अयोग्य तथा उनके द्वारा की गयी कार्यवाही को अवैध माना है।

जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह चौहान द्वारा जारी आदेश के अनुसार सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण उत्तराखण्ड, द्वारा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एंव अन्य सहकारी संस्थाओं को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का निर्वाचन 24 और 25 फरवरी को होना है, जिसके अनुक्रम में कार्यालय के द्वारा जनपद की समस्त समितियों में निर्वाचन अधिकारी एंव सहायक निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की गयी। जिसमें पनियाला समिति में नियुक्त निर्वाचन अधिकारी अरविन्द सैनी, प्रवक्ता, के० एल० डीएवी रूडकी को निर्वाचन अधिकारी के रूप में नियुक्त किये जाने से छुब्ध होकर अखलाक अहमद पुत्र रफीक अहमद ग्राम पनियाला चंदापुर जनपद हरिद्वार द्वारा उच्च न्यायालय नैनीताल में वाद दायर किया गया। जिस पर न्यायालय द्वारा 20 फरवरी को आदेश पारित करते हुऐ अशासकीय विद्यालय के नियुक्त शिक्षको को उक्त निर्वाचन के लिए अयोग्य तथा उनके द्वारा की गयी कार्यवाही को अवैध माना है। वहीं उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा पारित उक्त आदेश के अनुपालन में जनपद की बंजारेवाला, तेज्जुपूर,चुडियाला, पनियाला,मेहवड खुर्द एवं लहबोली के निर्वाचन को तत्काल प्रभाव से न्यायालय में विचाराधीन उक्त वाद के अन्तिम आदेशों तक के लिए स्थगित किया गया है।

ट्रांसफार्मर से उपकरण चोरी

रुड़की। अज्ञात चोरों ने 25 केवी के विद्युत ट्रांसफार्मर के उपकरण चोरी कर लिए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को तहरीर देकर बताया कि जौरासी फीडर के लाइनमैन राजेंद्र ने सूचना दी कि शिकारपुर गांव से रात्रि में अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर को नीचे गिरा कर तांबे के तार, तेल चोरी कर लिया है।

नशे के खिलाफ सबको आगे आना होगा : एसपी देहात

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। कस्बे में किसान मजदूर संगठन सोसायटी के बैनर तले रविवार को सेवानिवृत्त शिक्षा उपनिदेशक अतर सिंह की अध्यक्षता में क्रिस्ट ज्योति एकेडमी में नशा और जुआ मुक्त समाज की स्थापना के लिए गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें नशे और जुआ जैसी सामाजिक बुराईयों को खत्म करने की शपथ ली गई।

जानकारी के अनुसार कस्बे में किसान मजदूर संगठन सोसायटी के बैनर तले क्रिस्ट ज्योति एकेडमी में नशा और जुआ मुक्त समाज की स्थापना के लिए गोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का शुभारंभ एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल और थाना प्रभारी भगवानपुर सूर्य भूषण नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि नशा और जुआ दोनों ही समाज के लिए बहुत बड़े खतरे हैं। ये दोनों चीजें समाज की सामूहिक सेहत और सुरक्षा को भी खतरे में डाल रहे हैं। इसके लिए सुरक्षा ही बचाव है जिसमें हम सबको आगे आना होगा। शिविर में 120 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट महक सिंह सैनी ने कहा कि समाज की भलाई के लिए संगठन की ओर से रक्तदान एवं नशा-जुआ मुक्त समाज की स्थापना जैसे जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए हैं।

भारतीय ब्रह्म सभा ने होली मिलन कार्यक्रम के लिए किया निमंत्रण-पत्र का विमोचन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। भारतीय ब्राह्मण सभा द्वारा होली मिलन कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र का विमोचन कार्यक्रम राजकली धर्मशाला में किया गया। ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष अरविंद भारद्वाज ने कहा कि हमारी सभा लगभग 21 साल से होली मिलन कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। इसी के क्रम में हमारी सभा 12 मार्च 2025 को दोपहर 2:00 बजे स्थान श्री सिद्धेश्वर शिव मंदिर सिविल लाइन में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण महान साहित्यकारों द्वारा काव्य गोष्ठी एवं फूलों की होली रहेगी।

भारतीय ब्रह्म सभा के संरक्षक सौरव भूषण शर्मा ने कहा कि होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, हरिद्वार विधायक मदन कौशिक रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार हिंदी साहित्य अकादमी के सदस्य योगेंद्र नाथ अरुण रहेंगे। उन्होंने कहा कि रुड़की नगर की ब्राह्मण समाज की सभी इकाइया एक दूसरे के कार्यक्रम में सहयोग करती हैं एवं समाज को आगे बढ़ने का कार्य करती हैं। सभा के महामंत्री संदीप शर्मा ने कहा कि समाज में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सौरव भूषण शर्मा रहेंगे साथ ही वरिष्ठ अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष दिनेश कौशिक, डॉक्टर अनिल शर्मा, सतीश शर्मा अध्यक्ष, आचार्य पंडित रमेश सेमवाल, अश्वनी भारद्वाज, पंडित राजकुमार कौशिक, गौरव कौशिक जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, आदित्य शर्मा युवा अध्यक्ष, विनय शर्मा अध्यक्ष, विनोद शर्मा, महिला अध्यक्ष श्रद्धा हिंदू, दीपा कौशिक, अभय पांडे कमिश्नर जीएसटी, मनोज शर्मा रहेंगे। सभा के कोषाध्यक्ष उमेश शर्मा ने कहा कि विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में बिट्टू शर्मा वरिष्ठ कांग्रेस नेता, शगुन शर्मा, राजकुमार दुखी पूर्व सभासद ,पंडित सचिन शर्मा ,पंडित रोहित शर्मा ,नरेश शर्मा, सतीश शर्मा, संजय शर्मा महामंत्री, देवेंद्र शर्मा प्रदेश अध्यक्ष,पवन शर्मा आदित्य शर्मा गोनू सुजल कौशिक रहेंगे। मुख्य संरक्षक सुरेश कुमार शर्मा ने कहा कि नगर निगम चुनाव में हमारे समाज के पांच पार्षद जो विजयी हुए हैं उन्हें भी विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

इस मौके पर युवा अध्यक्ष आदित्य शर्मा, महामंत्री पंडित रोहित शर्मा, डॉक्टर रामकुमार शांडिल्य, आदेश कौशिक, साहित्यकार डॉ आनंद भारद्वाज निर्देशक, डॉ नरेंद्र शर्मा, दिनेश त्रिपाठी राजीव कपिल अशोक आर्य ,अरविंद भारद्वाज ,डॉ रामकुमार, पंकज कौशिक शामिल रहेंगे।

इनर व्हील क्लब रुड़की स्पार्कल्स ने लगाया रक्तदान शिविर

रक्तदान कर लोगों की जिंदगी बचाए

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। इनर व्हील क्लब रुड़की स्पार्कल्स की ओर से सिविल अस्पताल में एक रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में क्लब सदस्य और अन्य लोगों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इनर व्हील क्लब रुड़की स्पार्कल्स की ओर से सिविल अस्पताल में एक रक्तदान शिविर लगाया गया। कार्यक्रम की संयोजक साक्षी त्यागी ने लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। क्लब अध्यक्ष सीमा भाटिया ने कहा कि रक्तदान एक नहीं दो जिंदगी बचा सकता है। इसलिए हर किसी को अपने जीवन में रक्तदान करना चाहिए। क्लब संपादक नीलम मधोक ने कहा कि समय-समय पर क्लब की ओर से इस तरह के सामाजिक कार्य किये जाते हैं। शिविर में शिवम अग्रवाल, लविश अरोरा, विजय भाटिया, सचिन सैनी, सुखविंद्र सिंह, अनीस अंसारी, नलिनी गुप्ता, अजय कुमार, प्रताप सिंह, रोमल पंडित, अमन गुप्ता, रिचा तायल, समर खन्ना, शिवानी गर्ग आदि सदस्यों ने रक्तदान किया।

संविदा कर्मचारियों को जल्द नियमित करें सरकार

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। उतरांचल बिजली कर्मचारी संघ संविदा प्रकोष्ठ की एक बैठक बिजली घर नंबर 6, कॉलोनी स्थित कार्यालय पर मयंक चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन दीपक थापा द्वारा किया गया। बैठक मे प्रदेश महामंत्री द्वारा द्वारा संघटन के चल रहे नियमितीकरण के विषय मे संगठन के साथियो को जानकारी दी गई। वहीं सरकार द्वारा माननीय न्यायाधिकरण हल्द्वानी, माननीय न्यायालय नैनिताल एम सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद भी संविदा कर्मचारियों के नियमितिकरण नही किया जा रहा है। जिसको लेकर कर्मचारियों में शासन के प्रति गहरी नाराजगी है। बैठक में सचिन चौहान ने कहा गया की इस विषय पर जल्द ही केंद्र कमेटी से वार्ता कर एक आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। जिससे विभाग में कार्यरत साथियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ हो सके एवं कर्मचारियों का भविष्य उज्वल हो सके। उन्होंने कहा कि इस महंगाई के समय में इतने कम वेतन में कार्य करना बडा दूरभर हो गया है। लेकिन सरकार इस ओर कोई सकारात्मक कारवाई नही कर रही है। जिससे कर्मचारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहे हैं। महामंत्री दीपक शांडिल्य ने कहा की यदि सरकार जल्द ही समस्या का समाधान नही करती तो कर्मचारी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बैठक में विकास गुप्ता, मयंक चौहान, निर्भय कुमार, आलोक, दीपक थापा, मुकेश, सर्वेश कुमार एवं कुलदीप कुमार उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शाखाश: संचालनगीत प्रतियोगिता आयोजित

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अल्मोड़ा नगर द्वारा शाखाश: संचालनगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नगर की 11 शाखाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर कार्यवाह कुंवर सिंह बिष्ट ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि संघ की प्रतिदिन होने वाली शाखाओं में स्वयंसेवकों द्वारा संचालनगीत का अभ्यास किया जाता है। उसी अभ्यास को प्रस्तुत करने के लिए स्वयंसेवकों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व संभाग निरीक्षक प्रकाश पंत ने की, जबकि विभाग कार्यवाह तारादत्त भट्ट ने मुख्य वक्ता के रूप में स्वयंसेवकों को संबोधित किया। अपने संबोधन में भट्ट ने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हमें अपनी शाखाओं को और अधिक सशक्त बनाना है तथा समाज निर्माण के कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान देना है। उन्होंने स्वयंसेवकों से पंच परिवर्तन के संकल्प को अपनाने और समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक इसे पहुंचाने की अपील की। इस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी निशु बहुगुणा को सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम का गौरव और बढ़ा। कार्यक्रम में जिला संघचालक किशन गुरुरानी, विभाग व्यवस्था प्रमुख बद्रीविशाल, जिला कार्यवाह जगदीश नेगी, विभाग प्रचारक कमल, जिला प्रचारक आशुतोष, नगर प्रचारक विरेन्द्र, शारीरिक प्रमुख दीपक, तथा अन्य सम्मानित सदस्य राजेश, सुरेश काण्डपाल, अनिल, मनीष, आशीष, आयुष और विक्रम आदि उपस्थित रहे।

वहीं मुनस्यारी में खेल विभाग की ओर से स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के तहत ओपन बालक वर्ग की जिला स्तरीय 7-ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता होगी। जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप बिष्ट ने बताया जोहार खेल मैदान में 24 फरवरी से दो दिवसीय प्रतियोगिता का आगाज होगा। प्रतियोगिता में प्रवेश नि:शुल्क है। प्रत्येक टीम में खिलाड़ियों की संख्या नौ और एक टीम मैनेजर सहित दस होगी।

भागीरथी कला संगम ने संयुक्त चिकित्सालय में की सफाई

श्रीनगर गढ़वाल। भागीरथी कला संगम के सदस्यों ने रविवार को संयुक्त अस्पताल श्रीनगर के सभागार में स्थित शिव मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया।

इस मौके पर भागीरथी कला संगम के सदस्यों द्वारा शिव मंदिर की धुलाई करके उसके आसपास के कूड़े को एकत्र कर कूड़ेदान में डाला गया। इस मौके पर मंदिर के पुजारी बुद्धिबल्लभ उनियाल ने कला संगम के सदस्यों की सरहाना की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद बर्थवाल, उपाध्यक्ष मुकेश नौटियाल, कोषाध्यक्ष भगत सिंह बिष्ट, सुरक्षक हरेंद्र तोमर, संरक्षक दिनेश लिंगवाल, किशोरी लाल नौटियाल, रवींद्र पुरी सहित आदि मौजूद थे।

अमर्यादित बोल पर श्रीनगर में मंत्री प्रेमचंद के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूँका

संवाद सहयोगी

श्रीनगर गढ़वाल। विधानसभा में वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा पहाड़ी लोगों के प्रति कथित अमर्यादित भाषा के प्रयोग के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र संगठनों, राज्य आंदोलनकारियों और उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के सदस्यों ने रविवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पीपलचौरी श्रीनगर से प्रेमचंद अग्रवाल के प्रतीकात्मक पुतले के साथ नारेबाजी करते हुए यात्रा निकाली। जुलूस वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग, गणेश बाजार होते हुए गोला पार्क तक निकाला। राज्य आंदोलनकारी देवेंद्र फर्स्वाण ने कहा कि उत्तराखंड राज्य जिन पहाड़ी लोगों के संघर्षों के कारण बना, आज उन्हीं लोगों को वित्त मंत्री अमर्यादित भाषा में अपमानित कर रहे हैं। साथ ही, सरकार विधायकों और मंत्रियों के वेतन-भत्ते बढ़ाने में लगी है, लेकिन पहाड़ के बुनियादी मुद्दों पर चुप्पी साधे हुए है। प्रेम दत्त नौटियाल ने कहा कि प्रेमचंद अग्रवाल और उनके परिवार ने राज्य आंदोलन में कोई योगदान नहीं दिया, फिर भी वे उत्तराखंड विरोधी मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं। मूल निवास भू कानून समन्वय समिति के अरुण नेगी ने सरकार द्वारा लाए गए यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून का विरोध करते हुए कहा कि राज्य में भू-कानून पर चर्चा नहीं की जा रही है, जबकि लिव-इन रिलेशन को लेकर कानून बना दिया गया है, जो उत्तराखंड के मूल हितों के खिलाफ है।

डोड़ा क्षेत्र में एसएसबी ने स्वास्थ्य शिविर लगाया

पिथौरागढ़। नेपाल सीमा पर बसे सुनखोली डोडा में सशत्र सीमा बल (एसएसबी)55वीं वाहिनी ने नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य शिविर लगाया। रविवार को चिकित्सकों की टीम ने बारी-बारी से 61 लोगों की जांच कर उन्हें दवा वितरित की। साथ ही मौसम में हो रहे बदलाव को देखते हुए शरीर को बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए। ग्रामीणों ने एसएसबी का आभार जताते हुए कहा कि सीमावर्ती गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति अच्छी नहीं है। ऐसे में इस तरह के शिविर ग्रामीणों को खासी राहत पहुंचा रहे हैं।

चंबा क्षेत्र में खुली दीदी की दुकान

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। मुख्यमंत्री सतत आजीविका योजना के तहत चंबा में दीदी की दुकान का शुभारंभ हुआ। इस दुकान को ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति (राड्स) रानीचौरी से जुड़ी महिला समूह संचालित कर रही हैं। इस दुकान में महिलाओं द्वारा तैयार किए गए बैग, शॉल, स्वेटर, पंखी, कपड़े और मफलर उपलब्ध हैं। ब्रह्माकुमारी संस्थान के लक्ष्मी भ्राता व राड्स संस्था के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए इस दुकान का शुभारंभ किया। इसके लिए महिलाओं को राड्स संस्था ने बुनाई मशीन उपलब्ध करवाई थी। लक्ष्मी रावत ने दीदी की दुकान शुरू की है। जिसमें उन्होंने अन्य महिलाओं को भी जोड़ा है। अब वे सभी कताई-बुनाई के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस अवसर पर संस्था की सचिव कुंभीबाला भट्ट, ममता नेगी, रूकमा देवी, छटाकी देवी, डुगा देवी, छचरी देवी, पूनम, अब्बल सिंह, लक्ष्मी चंद, अल्का आदि उपस्थित रहे।

वहीं मदकोट पुलिस चौकी में लंबे समय से प्रभारी न होने पर यूथ कांग्रेस ने आक्रोश जताया है। रविवार को युकां जिलाध्क्ष डीडीहाट विक्रम दानू ने कहा कि करीब तीन वर्ष से मदकोट में चौकी प्रभारी नहीं है। चौकी होमगार्ड व कांस्टेबलों के सहारे चल रही है। इसके अलावा चौकी में सीसीटीवी भी नहीं लगाए गए हैं।

सामग्री निर्माण प्रतियोगिता में अतुल व विजयलक्ष्मी रहे अव्वल

संवाद सहयोगी

पौड़ी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चड़ीगांव में एलटीएम (लर्निंग एंड टीचिंग मेटेरियल) एवं आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शिक्षक डा. अतुल बमराड़ा और विजयलक्ष्मी बिष्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से चयनित 45 शिक्षकों ने भाग लिया। शिक्षकों ने भाषा एवं संख्यात्मकता के दो प्रमुख विषयों पर अपने नवीन शिक्षण सामग्री प्रस्तुत की। इन शिक्षण सामग्रियों का उद्देश्य बच्चों की बुनियादी शिक्षा को रुचिकर, व्यावहारिक और प्रभावी बनाना था। विशेषज्ञों के निर्णायक मंडल द्वारा गहन मूल्यांकन के बाद 10 श्रेष्ठ शिक्षकों का चयन किया गया जो अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में एससीईआरटी देहरादून में भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में गणित विषय में पाबौ ब्लॉक के डा. अतुल बमराडा व हिंदी विषय में खिर्सू ब्लॉक की विजयलक्ष्मी बिष्ट प्रथम स्थान पर रहे। डायट पौड़ी गढ़वाल की प्रभारी प्राचार्य शिवानी रावत ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बुनियादी शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए नवाचार और रोचक शिक्षण विधियों का उपयोग आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों को इस तरह के आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। समंवयक जगमोहन कठैत व रेनू ने बताया कि इस प्रतियोगिता से जिले में शिक्षण पद्धतियों में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद की जा रही है। बच्चों को आकर्षक और रोचक तरीकों से सीखने का अवसर मिलेगा। डायट प्रवक्ता विमल ममगांई ने कहा कि यह पहल पूरे राज्य में प्राथमिक शिक्षा के स्तर को सुधारने में सहायक होगी।

संत निरंकारी मिशन ने चलाया विशेष सफाई अभियान

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। संत निरंकारी मिशन की ओर से रविवार को मुख्यालय सहित जनपद के अनेक स्थानों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें रुद्रप्रयाग संगम के साथ ही तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि और जखोली में अनेक स्थानों पर सफाई की गई। रविवार को मिशन द्वारा सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने के लिए प्रोजेक्ट अमृत के तहत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन परियोजना के तृतीय चरण का शुभारंभ किया गया। संत निरंकारी मिशन के संयोजक मोहन सिंह नेगी के दिशा-निर्देशन में बड़ी संख्या में स्वयं सेवियों ने अलकनंदा और मंदाकिनी संगम स्थल की सफाई की। करीब 5 कुंतल कूड़ा एकत्र किया गया। वहीं तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि और जखोली में भी मिशन के स्वयं सेवियों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। संयोजक मोहन सिंह नेगी ने बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित के पावन सानिध्य में यह विशेष अभियान पूरे देश के 1600 स्थानों में चलाया गया है। इस अभियान में नगर पालिका रुद्रप्रयाग, नपं तिलवाड़ा, नपं अगस्त्यमुनि में कर्मचारी एवं पर्यावरण मित्रों ने सहयोग दिया। इस मौके पर क्षेत्रीय संचालक जगदीश बंगरवाल, महिपाल कोहली, प्रकाश पंवार, शिवराज पंवार, लक्ष्मण सिंह सहित बड़ी संख्या में स्वयं सेवक मौजूद थे।

एनडीपीएस एक्ट का वांछित पांच हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। नशे के तस्करों के खिलाफ अल्मोड़ा पुलिस ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। देघाट पुलिस की टीम ने पांच हजार रुपये के इनामी तस्कर कुलदीप सिंह को पकड़ लिया है। मामला बीती 11 फरवरी का है जब देघाट पुलिस और एसओजी की टीम ने सुन्दर सिंह और खीम सिंह नामक दो तस्करों को पिकअप और बलेनो कार में अवैध रूप से ले जाया जा रहा 116.358 किलोग्राम गांजा लेकर जाते हुए पकड़ा। इस घटना के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में यह पता चला कि तस्करी का मास्टरमाइंड कुलदीप सिंह था, जिसने गांजा एकत्र कर रामनगर में बेचने की योजना बनाई थी। गिरफ्तारी के समय, कुलदीप पुलिस की नजरों से बचकर भाग गया था। अल्मोड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने कुलदीप सिंह की गिरफ्तारी के लिए 5000 रुपये का इनाम घोषित किया और पुलिस टीम को उसे पकड़ने के लिए दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह और सीओ रानीखेत विमल प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी रही। शनिवार रात देघाट पुलिस ने कुलदीप सिंह निवासी सिमलग्वैना थाना देघाट को उदयपुर तिराहे देघाट से गिरफ्तार कर लिया। यहां देघाट पुलिस टीम से थानाध्यक्ष दिनेश नाथ महंत, अपर उप निरीक्षक गणेश राणा, हेड कांस्टेबल मनोज पाण्डेय और कांस्टेबल नीरज बिष्ट शामिल रहे।

कार्यालय सहायक अभियन्ता-तृतीय स्थापना खण्ड, रुड़की

निविदा सूचना संख्या- 04/सहा.अभि.तृतीय/स्था.ख.रु./2024-25, दिनांक 21.02.2025

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों की मोहरबन्द निविदायें सिंचाई विभाग में यांत्रिक कार्यों हेतु 'B' श्रेणी एवं उच्चतर में यांत्रिक में पंजीकृत या जल यांत्रिक संयंत्रों में मरम्मत आदि कार्यों को करने के उच्च अनुभवी ठेकेदार/फर्मों से दिनांक 07.03.2025 समय 03.00 बजे अपरान्ह तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 27.02.2025 से दिनांक 06.03.2025 सांय: 05.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में निविदा का निर्धारित शुल्क देकर कार्यालय अधिशासी अभियन्ता स्थापना खण्ड, रुड़की से प्राप्त किये जा सकते हैं जो कि दिनांक 07.03.2025 को 03.00 बजे अपराहन तक निविदा टेण्डर बॉक्स में डाली जायेगी तथा उसी दिन 03.30 बजे अपराहन अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके प्रतिनिधि के द्वारा अधिशासी अभियन्ता, स्थापना खण्ड, रुड़की के कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा के लिफाफे के उपर स्पष्ट शब्दों में दिनांक 07.03.2025 को देय निविदा अंकित किया जाना आवश्यक है। धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र एक लिफाफे में एक साथ बन्द कर सील करके प्रेषित करने होंगे। धरोहर धनराशि, राष्ट्रीय बचत पत्र अथवा राष्ट्रीयकृत बैंकों की एफ.डी.आर., टी.डी.आर. एवं सी.डी.आर. के रूप में, जो कि अधिशासी अभियन्ता, स्थापना खण्ड रुड़की के नाम बन्धक होगी, को अलग लिफाफे में रखा जायेगा। धरोहर एवं जमानत राशि के रूप में बैंक गारण्टी स्वीकार नहीं की जायेगी। बिना धरोहर धनराशि जमा किये सशर्त निविदायें अमान्य होंगी। अधोहस्ताक्षरी के पास सम्बन्धित निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा। निविदा के साथ रु. 100.00 का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प जिस पर एक रु. का रेवेन्यू स्टाम्प लगा हो पर दरों की वैधता 90 दिन तक अंकित कर संलग्न करना आवश्यक होगा। निविदा खोलने की तिथि को अवकाश हो जाने की स्थिति में अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	मात्रा	धरोहर धनराशि लाख रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार/फर्म की अर्हता
1	Dismantling rope drum assembly connecting shafts, shifting dismantled parts and overhauling of motors of radial gate no. 02 of Joshiyara Barrage, Uttarkashi	Job	0.19	1000 + 18% GST	90 दिवस	यांत्रिक कार्यों हेतु श्रेणी 'B' एवं उच्चतर में सिंचाई विभाग में यांत्रिक में पंजीकृत या जल यांत्रिक संयंत्रों के मरम्मत आदि कार्यों को करने के उच्च अनुभवी ठेकेदार/फर्में
2	Overhauling of gear box, pinions and thruster brake of radial gate no. 02 of Joshiyara Barrage, Uttarkashi	Job	0.19	1000 + 18% GST	90 दिवस	
3	Overhauling of reduction gears and refitting the connecting shafts on radial gate no. 02 of Joshiyara Barrage, Uttarkashi	Job	0.19	1000 + 18% GST	90 दिवस	
4	Taking out all old and damaged gear shaft couplings and fitting new gear shaft couplings of radial gate no. 02 of Joshiyara Barrage, Uttarkashi	Job	0.07	1000 + 18% GST	90 दिवस	

नोट :- (1) निविदा से सम्बन्धित अन्य समस्त शर्ते/विवरण कार्यालय में देखी जा सकती है।

सहायक अभियन्ता-तृतीय
स्थापना खण्ड, रुड़की

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं सम्पादक **एम हसीन** द्वारा परम नागरिक प्रकाशन, 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) के लिए ए के प्रिंटर्स खान मार्केट शहाबुद्दीनपुर रोड लद्धावाला, मुजरफ्फरनगर से मुद्रित एवं 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सम्पर्क : 9997178556 ई-मेल : paramnagrik2013@gmail.com, hasin.m1@gmail.com
सभी वादों का न्याय क्षेत्र रुड़की ही मान्य होगा। प्रकाशित समाचार सामग्री का प्रेस से कोई सम्बंध नहीं है।

पहाड़ विरोधी बयान पर मंत्री प्रेमचंद का पुतला दहन किया

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। भाजपा सरकार के काबीना मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के पहाड़ विरोधी बयान के खिलाफ रविवार को चंबा चौराहे पर कांग्रेस पार्टी एवं सामाजिक संगठनों ने पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रेमचंद पहाड़ विरोध ी मानसिकता बदलो और मंत्री पद से इस्तीफा दो जैसे नारे भी लगाये। चंबा चौराहे पर नारों के साथ कांग्रेसियों व सामाजिक संगठनों ने काबीना मंत्री अग्रवाल के पुतले को आग के हवाले किया। प्रदर्शन में चम्बा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साब सिंह सजवाण, टिहरी विधानसभा कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र चन्द रमोला, प्रोग्रेसिव फ्रंट के अध्यक्ष संजय मैठाणी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सुमना रमोला, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता त्रिलोक सजवाण, शहर कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति प्रसाद जोशी, पूर्व सैनिक संगठन के जिला अध्यक्ष संजय रावत, नगरपालिका चम्बा की पूर्व उपाध्यक्ष बीना नेगी, पूर्व छात्र नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता विकास रावत, चम्बा नगरपालिका सभासद अर्चना, सभासद महेश पैनोली, गीता खड़का, पूर्व पीसीसी उत्तम सिंह रावत, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष रविंद्र सिंह नेगी, हरि सिंह मखलोगा, विजेन्द्र सिंह नेगी, बिरेंद्र सिंह नेगी, सुरेन्द्र सिंह नेगी, पूर्व छात्र नेता प्रदीप सकलानी, रिटायर्ड कैप्टन गब्बर सिंह नेगी, पूर्व सैनिक कृष्ण मंमगाई, पूर्व प्रधान सतपाल, बलबीर कंडारी, दौलत नेगी, गुसाई, चंद्र प्रकाश उनियाल, अशीष नेगी, विजेन्द्र राणा, प्रकाश रमोला, सुरेन्द्र सिंह सजवाण, लक्ष्मी चन्द रमोला, बिरेंद्र सिंह सजवाण,रबि रतुडी रमेश नोटियाल, प्रताप अधिकारी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

वहीं दूसरी ओर देशी-पहाड़ी के मुद्दे पर विवादित बयान देने के आरोप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को डीडी चौक पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने मंत्री अग्रवाल का पुतला दहन कर उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग उठाई। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सीपी शर्मा एवं महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता डीडी चौक पर इकट्ठे हुए। यहां भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का पुतला दहन किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि मंत्री के बयान से राज्य की जनता की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आम जनता से जुड़े मुद्दों पर संवेदनहीन रवैया अपना रही है। कहा कि भाजपा के विधायक और नेता आए दिन अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। लोगों को कभी जाति धर्म में बांटते हैं तो कभी बंगाली समाज को आहत करने का काम करते हैं। महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने कहा कि मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने सारी मर्यादा तार-तार कर दी है। उन्होंने जो बयान दिया है, उससे कांग्रेस आहत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ऐसे घृणित विचार रखने वाले मंत्री पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और तुरंत मंत्री पद से बर्खास्त कर देना चाहिए।

ई-टेंडर की व्यवस्था की जाए निरस्त

रुद्रप्रयाग। बदरी-केदार मंदिर समिति के सदस्य एवं पूर्व प्रधान मखेत रणजीत सिंह राणा ने ई-टेंडरिंग का विरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए ई-टेंडर को निरस्त करते हुए छोटे-छोटे जॉब की निविदा आमंत्रित करने की मांग की है। सीएम को भेजे ज्ञापन में उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अधिकांश शिक्षित बेरोजगार अन्य रोजगार के अभाव में ठेकेदारी का कार्य करते हैं, किन्तु वर्तमान टेण्डर व्यवस्था के तहत कोई भी छोटा ठेकेदार इस व्यवस्था के अन्तर्गत पात्रता नहीं रखता है। मन्दिर समिति के सदस्य रणजीत सिंह राणा ने कहा है कि सिंचाई एवं लोक निर्माण विभाग सहित कई विभागों की निविदाएं व सुध ारीकरण सहित अन्य कार्य ई-टेंडरिंग से करवाया जा रहा है। यह बड़े ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने की साजिश है।

शिविर में नशे को लेकर एएसपी जोशी ने किया जागरूक

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। एसआरटी परिसर का राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन के कार्यक्रमों का शुभारंभ लक्ष्यगीत व शारीरिक व्यायाम के साथ हुआ। इस मौके पर मौजूद मुख्य अतिथि एएसपी जेआर जोशी ने छात्र-छात्राओं में बढ़ रहे नशे की प्रवृत्ति को रोकने की अपील की। कहा कि नशा जीवन को बर्बाद करने का साधन मात्र है। छात्र इससे दूर रहें। छात्रों को नशे में धकेलने वाले गिराहों से दूर रहते हुए इसकी गुप्त सूचना पुलिस को दें। स्वयंसेवियों से कहा कि नशे के विरुद्ध छात्रों को जागरूक करने का काम करें। हमारा दायित्व है कि नशे को समाज से दूर करने का काम करें। पुलिस व प्रशासन को नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग करें। भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून के दानिश कलीम, अंशुल और मयंक जोशी और एसके पाल ने नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मेंघ गंगा जैव विविधता संरक्षण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला में कई प्रतियोगिता करवाई। जिसमें पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इसमें प्रथम पुरस्कार भागीरथी ग्रुप, द्वितीय पुरस्कार गंगा तथा तृतीय पुरस्कार ताप्ति ग्रुप ने प्राप्त किया। बीडीओ शाकिर हुसैन ने स्वयं सेवकों का उत्साह वर्धन करते हुए कई सामाजिक गतिविधियों के लिए प्रेरित किये। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. शंकर लाल और कार्यक्रम अधिकारी डा. अर्पणा सिंह और रविंद्र धरावत के मार्गदर्शन में ग्राम साबली में टूटे-फूटे रास्तों की मरम्मत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक द्वारा की। इस मौके पर छात्रसंघ अध्यक्ष आदित्य रतूड़ी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अंशुल भंडारी, पूर्व छात्रसंघ महासचिव नम्रता मखलोगा और वर्तमान महासचिव अमन सजवाण, विपिन, राजन, दिव्यांशु, नीतीश, वैभव, जगबीर, गौतम, आशीष, मानवेंद्र, सुरेश कुमार, अजय, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

यूसीसी को लेकर फैलाई जा रही अफवाह : मनु गौर

संवाद सहयोगी

पौड़ी। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रभावी क्रियान्वयन और लोगों को इससे जुड़ी सही जानकारी देने के उद्देश्य से प्रेक्षागृह जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में यूसीसी सदस्य मनु गौर ने लोगों की शंकाओं का समाधान किया। कार्यशाला में मनु गौर ने बताया कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर समान नागरिक संहिता के कुछ प्रावधानों को लेकर भ्रामक और गलत जानकारी फैलाई जा रही है। कहा कि अफवाह फैलाई जा रही है कि उत्तराखंड में यूसीसी के तहत विवाह पंजीकरण कराने से बाहरी लोगों को राज्य का निवास प्रमाणपत्र (डोमिसाइल) मिल जाएगा। यह पूरी तरह गलत और भ्रामक है। यूसीसी में विवाह या अन्य पंजीकरण का राज्य के निवास प्रमाणपत्र से कोई संबंध नहीं है और न ही इस संहिता में ऐसा कोई प्रावधान है। यूसीसी को लेकर अफवाह फैलाना या झूठी जानकारी प्रसारित करना कानूनन अपराध है। कार्यशाला में यूसीसी के कानूनी प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। मनु गौर ने बताया कि 27 जनवरी से प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू हो चुकी है। इसके तहत सभी धर्मों और समुदायों के सामाजिक अधिकारों में सामंजस्य स्थापित करने और एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है। यूसीसी में विवाह, विवाह विच्छेद, सहवासी संबंध ों के पंजीकरण की अनिवार्यता और उसकी प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया कि 26 मार्च 2010 के बाद हुए विवाहों का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इस अवसर पर जिलाधि कारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में अधिशासी अधि कारी और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सब-रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करेंगे। सब-रजिस्ट्रार विवाह पंजीकरण के आवेदन प्राप्त कर सकते हैं और आवेदन मिलने के 15 दिनों के भीतर विवाह पंजीकरण या अस्वीकृति आदेश जारी किया जाएगा।

हाईवे पर जगह-जगह गड्ढे, आमजन परेशान

संवाद सहयोगी

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्वीत से कीर्तिनगर तक कई जगहों पर गड्ढे होने से आमजन की परेशानी बढ़ने लगी है। इतना ही नहीं आते जाते राहगीर गड्ढों के ऊपर वाहनों में हिचकोले तक खाने को मजबूर हैं। कई बार तो दुपहिया वाहन राजमार्ग पर बने गड्ढों में दुर्घटना का शिकार तक हो जा रहे हैं। साथ ही पैदल चलने वाले लोगों के लिये बारिश होते ही यह गड्ढे जलभराव की स्थिति में मुसीबत बन जाते हैं। पार्षद सूरज नेगी, स्थानीय लाल सिंह नेगी, बिरेन्द्र सिंह, सोहन सिंह, दिनेश भट्ट और मुकेश पुरी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह-जगह गड्ढों के होने से आमजनमानस सहित यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि श्रीनगर से श्रीकोट बेस हॉस्पिटल जाने में वाहनों का उपयोग करने के बावजूद भी सड़क के दोनों ओर वाहनों के जमावड़े और गड्ढों से बड़ी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।बताया कि श्रीकोट स्थित गैस गोदाम के पास रेलवे टनल का कार्य निर्माणाधीन होने से हाईवे की सबसे बुरी स्थिति है। इसी जगह पर खनन के लोडर ट्रकों की आवाजाही होने से अधिकांश जगहों पर गीली मिट्टी राजमार्ग पर चिपक जाती है। ध ूप लगते ही धूल उड़ने से नजदीकी संचालित स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों और आसपास के घरों में बीमारी का डर भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने एनएच लोनिवि के अधिकारियों से जल्द गड्ढों को भरने व चारधाम यात्रा के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति सुधारने की मांग की है।कहा कि प्रशासन मामले में कार्यवाही नहीं करता है तो जनता आंदोलन के लिये बाध्य होगी। इधर, एनएच लोनिवि अधिशासी अभियंता राजवीर चौहान ने बताया कि राजमार्ग पर हेवी ट्रकों की आवाजाही से बने गड्ढे कई बार भरे तो गये हैं, लेकिन रेलवे निर्माण कार्य और अन्य लोडर ट्रकों के चलने से यह स्थिति सामने है। कहा कि राजमार्ग पर धूल से बचने के लिये किया जा रहा पानी का छिड़काव बिछाये गये डामर को उखाड़ देता है। कहा कि आमजन और यात्रा को देखते हुए गड्ढ़ो की समस्या का निदान किया जाएगा। जल्द रेलवे अधिकारियों से बैठक कर निर्णय लेंगे।

वहीं जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं के सुधार को लेकर नगर पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी ने सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मुलाकात की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रावत ने जल्द जिला अस्पताल पौड़ी की व्यवस्थाओं को चाक चौबंद करने का भरोसा दिलाया। पौड़ी नगर पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी ने रविवार को देहरादून में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से उनके निवास में भेंट की। इस दौरान उन्होंने मंत्री को जिला अस्पताल पौड़ी में व्याप्त असुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पीपीपी मोड से हटने के बाद भी जिला अस्पताल पौड़ी की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है। अस्पताल में चिकित्सकों की अपेक्षित संख्या में तैनाती न होने व उपकरणों के संचालन की व्यवस्था अभी पटरी में नहीं आ पाई है।

जन शिकायत केंद्र बनाकर होगा समाधान

नई टिहरी। नगर पंचायत घनसाली में नगरवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान और बेहतर सुविधाओं के लिए जल्द ही जन शिकायत केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट ने इस पहल के तहत एक शिकायत हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। जहां नागरिक फोन के माध्यम से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद नगरवासियों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि वे सीधे अपनी समस्या को नगरपंचायत कार्यालय तक पहुंचा सकेंगे। यह सुविधा जल्द प्रभावी होगी। इसके साथ ही जनहित से जुड़े सभी मामलों में तेजी से कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षुओं ने किया स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण

संवाद सहयोगी

चमोली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गौचर में चल रहे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सात दिवसीय प्रशिक्षण के पांचवें दिन प्रशिक्षुओं ने आंगनबाड़ी केंद्रों का शैक्षिक भ्रमण किया। प्रशिक्षण में जनपद के नौ विकासखंडों से 56 कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

कार्यक्रम के सहसमन्वयक डॉ. कमलेश मिश्र ने बताया कि वर्तमान सत्र में जनपद के प्राथमिक विद्यालयों के साथ संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों के 155 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन चरणों में सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाना है। इसके तहत दो चरणों में 112 आंगनबाड़ी केंदों के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तृतीय चरण का प्रशिक्षण 27 फरवरी से प्रारंभ होगा स प्रशिक्षु चार टोलियों में आंगनबाड़ी केंद्र शैल, भट्टनगर, रावलनगर एवं पनाई बालवाटिका पहुंचे। जहां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अंजू बहुगुणा, अनीता नेगी, गीता लिंगवाल एवं सरला काला का स्वागत किया। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों प्रार्थना, कहानी, कविता, खेल के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया स बच्चों ने सभी प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। कार्यक्रम के समन्वयक राजेंद्र मैखुरी ने कहा कि क्षेत्रीय भ्रमण सीखने की एक महत्वपूर्ण विधा है जो विभिन्न वस्तुओं तथा गतिविधियों का अवलोकन कर व्यवहारिक ज्ञान प्राप्ति में सहायक है। इस माध्यम से चीजों को खोजने, पहचान करने, उनसे संबंध स्थापित करने के साथ अनुभव आधारित सीखने के प्रति विशेष उत्साह का संचार होता है तथा यह सब हमारे अनुभवों का समूह बनाता है स भ्रमण दल में पार्वती देवी, शोभा बिष्ट, पूजा रजवार, अंजना रावत, मोहित देवराड़ी और राहुल शाह सम्मिलित थे।

शैलेश्वर में भगवान शिव की स्तुति के साथ मेले का आगाज

संवाद सहयोगी

चमोली। रविवार को सिद्धपीठ शैलेश्वर महादेव सांस्कृतिक एवं पर्यटन मेला भगवान शिव की स्तुति और ध ार्मिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हो गया है। चार दिवसीय मेले के शुभारंभ पर महिला मंगल दलों ने जयकारे के साथ अपने-अपने गांवों से मंदिर परिसर तक भव्य जल कलश यात्रा का आयोजन किया। इस दौरान भजन कीर्तन किए गए। उसके बाद पुष्पवर्षा के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। मेले के मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महामंत्री हरिकृष्ण भट्ट, विशिष्ट अतिथि उपभोक्ता आयोग की सदस्य चंद्रकला खंडूड़ी और क्षेत्र पंचायत सदस्य मनोज चौहान ने दीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शैलेश्वर में सदियों से आयोजित होने वाला यह मेला हमारी विरासत है। रविवार को सैकड़ों लोगों ने शैलेश्वर मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव की आराधना की और आशीर्वाद मांगा। मेले में विभन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और महिला मंगल दलों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान भटग्वाली, जसपुर, कनोठ, डुंगरी, ग्वाड़, बैनोली, जखेट, ऐरोली, खेती व मलेठी के महिला मंगल दलों को पारितोषिक वितरण किया गया। इस मौके पर मेला समिति के अध्यक्ष उपेंद्र रावत, पूर्व अध्यक्ष जीएस रावत, जिला पंचायत सदस्य विनोद नेगी, अशोक चौधरी, राहुल चौहान, मुकेश नेगी, एचएस रावत, सरोजिनी पुंडीर, कर्ण सिंह आदि उपस्थित थे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चालकों के काटे चालान

संवाद सहयोगी

पौड़ी। पुलिस ने जिले में अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर शिकंजा कसा। इस दौरान पुलिस टीमों ने 136 वाहन चालकों का चालान किया। इसके अलावा शराब के नशे वाहन चालन पर 9 चालकों के वाहनों को भी सीज करने की कार्रवाई की गई। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि सघन चेकिंग अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने पर कोटद्वार में चार, श्रीनगर दो, यातायात कोटद्वार,देवप्रयाग व लक्ष्मणझूला पुलिस ने एक-एक चालकों के वाहनों को मौके पर सीज किया। साथ ही चालकों के खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए डीएल निरस्तीकरण की संस्तुति भी संबंधित विभाग को की गई। इसके साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 136 वाहन चालकों का चालान किया गया। एसएसपी ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने, वाहनों में ओवर लोडिंग करने,रैश ड्राइविंग करने व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है।

वहीं बदरीनाथ हाईवे पर यातायात नियमों का उल्लंघन करना वाहन संचालकों को महंगा साबित हुआ। रविवार को चमोली जिले के एआरटीओ ज्योति शंकर मिश्रा के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम ने चमोली से लेकर हेलंग तक चेकिंग अभियान में 31 वाहनों का चालान किया। एआरटीओ ज्योति शंकर मिश्रा ने बताया कि रविवार को चलाए गए यातायात चेकिंग अभियान में ट्रेनी एआरटीओर सतीश कांडपाल भी साथ रहे। बताया कि बदरीनाथ हाईवे पर यातायात नियमों के उल्लंघन में जिन 31 वाहनों का चालान किया गया। उनमें दुपहिया वाहन से लेकर टैक्सी, मैक्स समेत छोटे बड़े वाहनों का चालान किया गया। एआरटीओ ज्योति शंकर मिश्रा ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में चमोली जिले में यातायात नियमों के पालन के लिए चेकिंग अभियान लगातार जारी है।

हैंडपंप के आसपास स्वच्छता अभियान चलाकर मनाया जन्मदिन

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। संत निरंकारी मिशन के प्रमुख रहे बाबा हरदेव महाराज के जन्मदिन पर मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर स्वंयेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने छमुंड स्थित जल स्रोत और हैंडपंप के आसपास बिखरी पड़ी गंदगी को साफ कर लोगों को स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। जबकि नगरपालिका ने भी सेक्टर 5ए में सफाई अभियान चलाकर लोगों से शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग की अपेक्षा की। रविवार को हरदेव सिंह महाराज के जन्मदिन पर सत्संग भवन बौराड़ी में नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। इसके बाद सत्संग से जुड़े लोगों ने छमुंड में हैंडपंप के आसपास, पार्क, सड़क की नालियों की सफाई कर कूड़ा करकट एकत्रित किया। कहा कि बाबा के जन्मदिन को इस बार अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। जिसके तहत स्वच्छ जल,स्वस्थ मन की थीम पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपने प्राकृतिक स्रोत, पेयजल स्थान,नदी को स्वच्छ रखने की अपील की। इस मौके पर संत निरकारी मिशन के संयोजक सबल सिंह चौहान, संपत लाल शाह,हीरा लाल,विजयपाल नेगी,डॉ.नित्यानंद उनियाल,कुलदीप पंवार,राम लाल, शांति प्रसाद उनियाल,मदन मोहन पेटवाल,नीलम नेगी,मधु राणा,भानुमति राणा, अंजली,बीना आदि मौजूद थे।

सम्पादकीय

परम नागरिक

सोमवार, 24 फरवरी, 2025

ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणा के अनुसार कार्यकाल की शुरुआत में ही रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की है। उन्होंने शांति वार्ता को जमीन पर उतरने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत की। इसी का परिणाम है कि मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्री शांति वार्ता का प्रारूप तैयार करने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का यूक्रेन के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है और इसमें यूरोप के साथ गहराते मतभेदों के संकेत हैं। अगर ट्रंप युद्ध समाप्ति की दिशा प्रयास कर रहे हैं तो उनके प्रयास की सराहना की जानी चाहिए, क्योंकि इस युद्ध में यूक्रेन ने बहुत तबाही मोल ली है। इसलिए इसे रुकना ही चाहिए। बाइडन ने पुतिन को हत्यारा तानाशाह' कहा था और युद्ध को भडकने का आरोप लगाया था। दूसरी ओर यूरोपीय नेताओं ने सोमवार को पेरिस में आपातकालीन बैठक कर यूक्रेन मुद्दे पर एक संयुक्त मोर्चा बनाने पर चर्चा की। वास्तव में ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति ने यूरोप और स्वयं यूक्रेन के सामने हाशिये पर जाने का खतरा पैदा कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को सऊदी अरब में आयोजित शांति वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। नतीजतन शांति वार्ता की सफलता संदिग्ध है। जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय देश रूस के साथ अपने विरोधपूर्ण संबंधों के कारण उसके आगे समर्पण करना नहीं चाहते। यूरोपीय देश यूक्रेन को हारता देखना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें यह समझ में क्यों नहीं आता कि अपनी थोड़ी सी सहायता के बल पर यूक्रेन को युद्ध में झोंके रखना वस्तुतः कीव को विनाश के कगार पर पहुंचाना है। अमेरिका में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद पर तुलसी गबार्ड की नियुक्ति पर मोहर लगने के बाद यूरोपीय देशों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें युद्ध विरोधी नेता माना जाता है। भारत शुरू से युद्ध समाप्त करने के पक्ष में खड़ा रहा है। अभी पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की यात्रा के दौरान यूक्रेन पर अपनी नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत तटस्थ नहीं रह सकता। भारत रूस को अपना विसनीय सहयोगी मानता है और वह किसी भी ऐसे कदम का स्वागत करेगा जो चीन और उसके गहराते संबंधों पर लगाम लगाए।

बेहतर स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था

सतीश सिंह

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दर जनवरी महीने में कम होकर 4.31 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो पिछले 5 महीनों में सबसे कम है। यह दिसम्बर महीने में 5.22 प्रतिशत के स्तर पर थी, जबकि जनवरी 2024 में यह 5.1 प्रतिशत के स्तर पर थी। इससे पहले नवम्बर महीने में महंगाई दर 5.48 प्रतिशत के स्तर पर थी।

महंगाई के बास्केट में लगभग 50 प्रतिशत योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इनकी महंगाई महीने दर महीने आधार पर जनवरी महीने में घटकर 6.02 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। दिसम्बर महीने में यह 9.04 प्रतिशत से घटकर यह 8.39 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी, जो जनवरी 2024 में 8.30 प्रतिशत के स्तर पर थी।

वहीं, ग्रामीण महंगाई दिसम्बर महीने में 5.95 प्रतिशत से घटकर 5.76 प्रतिशत और शहरी महंगाई 4.89 प्रतिशत से घटकर 4.58 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी। मौजूदा गिरावट की सबसे बड़ी वजह सब्जियों की कीमतों में भारी कमी का आना है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य और पेय पदाथरे की महंगाई जनवरी महीने में 5.68 प्रतिशत के स्तर पर रही, जबकि दिसम्बर महीने में यह 7.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। खास तौर पर सब्जियों की कीमतें 25.6 प्रतिशत से कम होकर 11.35 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जिससे आमजन को भारी राहत मिली है। इसी क्रम में अनाज की महंगाई जनवरी महीने में 6.24 प्रतिशत के स्तर पर रही, जो दिसम्बर महीने में 6.5 प्रतिशत के स्तर पर रही थी। मांस और मछली की महंगाई जनवरी महीने में 5.25 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो दिसम्बर महीने में 5.3 प्रतिशत के स्तर पर थी।

गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसम्बर महीने में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए महंगाई के अनुमान को 4.8 प्रतिशत कर दिया था, जबकि इसके पहले केंद्रीय बैंक ने इसे 4.5 प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान जताया था। वहीं, वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में महंगाई के भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के आसार हैं। किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढने पर वस्तु एवं सेवा दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीदारी क्षमता कम हो जाती है और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम हो जाती है।

फिर, उनकी बिक्री कम होती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है आदि। फलतः आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं एवं विकास की गति बाधित होती है। ऐसे में यह कहना समीचीन होगा कि महंगाई को कम करने से ही विकास की रफ्तार तेज हो सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जीडीपी के वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने पहले अग्रिम अनुमान में जीडीपी वृद्धि दर के 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले 3 वित्त वर्षो से कम है। गत वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान जीडीपी के 6.6 प्रतिशत की दर से आगे बढने का अनुमान जताया है।

वैसे,भारत की जीडीपी वृद्धि दर के कम होने के बावजूद दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका से भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है और आगामी वर्षो में भी इसके मजबूत बने रहने के आसार हैं। वित्त वर्ष 2024 के दौरान अमेरिका में विकास दर के 2.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 2.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इधर, खनन और विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन के कारण दिसम्बर 2024 में भारत औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) वृद्धि दर कम होकर 3.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। साथ ही, सरकार ने नवम्बर 2024 के आईआईपी आंकड़ों 5.2 प्रतिशत से संशोधित करके 5.00 प्रतिशत कर दिया है। खनन व विनिर्माण क्षेत्र की धीमी रफ्तार और विगत दो तिमाहियों में जीडीपी की धीमी गति को देखते हुए, सरकार विकास की गति को बढ़ाना चाहती है। इसलिए, बजट में भी निवेश, बचत और खपत को बढ़ाने पर जोर दिया गया है, क्योंकि इनमें तेजी लाकर ही आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाकर विकास को गति दी जा सकती है।

आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को की गई मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की, जिससे यह 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। गौरतलब है कि करीब 5 सालों के बाद रेपो दर में कटौती की गई है। मुख्य तौर पर महंगाई के कारण केंद्रीय बैंक अभी तक रेपो दर में कटौती करने से परहेज कर रहा था। पिछले दो सालों में 14 प्रतिशत से 16 प्रतिशत के बीच की ऋण वृद्धि रहने के बाद समग्र क्रेडिट ग्रोथ बीते कुछ महीनों से धीमी हो रही है और दिसम्बर 2024 में यह घटकर 11.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है। इसका एक बड़ा कारण उधारी दर का महंगा होना है। दरअसल, बैंकों के पास सस्ती पूंजी नहीं है। इसलिए वे महंगी दर पर ऋण देने के लिए मजबूर हैं और महंगी दर पर ऋण उपलब्ध होने के कारण आमजन और कारोबारी ऋण लेने से बच रहे हैं। इस वजह से, कंपनियों के पास पूंजी की कमी है, जिसके कारण वे पूरी क्षमता के साथ उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं।

आरबीआई द्वारा रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने से बैंकों को सस्ती दर पर पूंजी मिलेगी और वे सस्ती दर पर ऋण दे सकेंगे और जब सस्ती दर पर उधार मिलेगा तो आमजन और कारोबारी दोनों ऋण लेंगे, जिससे निवेश और बचत दोनों में तेजी आएगी और खपत बढ़ेगी साथ ही साथ आर्थिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी। बजट में सरकार ने साफ तौर पर बता दिया है कि उसका मकसद विकास को गति देना है। दो तिमाहियों में जीडीपी वृद्धि दर के कम होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है साथ ही साथ भारत का विकास दर विकसित देशों से भी अधिक है। इसलिए विकास दर में और भी इजाफा लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कटौती की है। पुनश्चः जनवरी महीने में महंगाई में कमी आने से आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में भी रेपो दर में कटौती करने का रास्ता साफ हो गया है, जिससे देश के विकास रफ्तार को बल मिलेगा।

देश में सूचना क्रांति का बढ़ा महत्व

विनीत नारायण

एक बार लॉस एंजेलिस में उद्योगपतियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते समय मैंने श्रम आधारित तकनीकी के समर्थन और औद्योगिकरण के विरोध में काफी जोर से भाषण दिया। तब वहां मौजूद एक धनाढय उद्योगपति गणपत पटेल ने मुझे एक पुस्तक भेंट की जिसमें बताया गया था कि 1920 में अमेरिका में जिन क्षेत्रों में रोजगार काफी मात्रा में उपलब्ध था, वे क्षेत्र 1960 के दशक में गायब हो गए। पर इससे बेरोजगारी नहीं बढ़ी क्योंकि अनेक नये रोजगार क्षेत्र विकसित हो गए। उदाहरण के तौर पर 1920 के दशक में हाथ की मशीन पर टाइप करने वालों की भारी मांग थी पर कंप्यूटर आने के बाद यह मांग समाप्त हो गई। 1920 में हवाई जहाज के पायलटों की कोई मांग नहीं थी। पर बाद में हजारों पायलटों की मांग पैदा हो गई।

पटेल ने मुझसे जोर देकर कहा कि तकनीकी आने से बेरोजगारी नहीं बढ़ती। ऐसा ही अनुभव आज देश में सूचना क्रांति को देख कर हो रहा है। सूचना क्रांति ने हर क्षेत्र को बहुत व्यापक रूप में प्रभावित किया है। कुछ वर्ष पहले तक व्यापारी के बही-खातों में आमदनी-खर्च का जो हिसाब रखा जाता था वो इतना माकूल होता था कि उसमें एक पैसे की भी गलती नहीं होती थी। सदियों से भारत में यही प्रथा चल रही थी पर कंप्यूटर क्रांति ने सब बदल कर रख दिया। अब व्यापार के आंकड़े केवल आमदनी खर्च तक सीमित नहीं है। अब तो व्यापारी यह जानना चाहता है कि उसका कौन सा उत्पादन किस इलाके में ज्यादा बिक रहा है। उसके ग्राहक किस वर्ग के हैं।

साल के किस महीने में उसकी बिक्री बढ़ जाती है। कौन सी राजनैतिक या सामाजिक घटनाओं के बाद किस वस्तु की मांग अचानक बढ़ जाती है। जैसे-जैसे यह जानकारी उत्पादक या वितरक कंपनी के पास आती-जाती है, वैसे-वैसे उसका नजरिया और नीति बदलने लगती है। जबकि बही-खाते में केवल आमदनी-खर्च या लाभ-घाटे का हिसाब रखा जाता था। सांप्रदायिक दंगों का अंदेशा हो तो अचानक शहर में डबल रोटी, दूध, चाय, कॉफी के पैकेट, दाल-चावल, चीनी, मोमबत्ती, टॉर्च, शस्त्रों की मांग बढ़ जाती है। जाहिर है कि इन वस्तुओं के निर्माताओं को देश की नाड़ी पर इस नजरिए से निगाह रखनी पड़ती है। जिस इलाके में सांप्रदायिक तनाव बढ़े वहां इन वस्तुओं की आपूर्ति तेजी से बढ़ा दी जाए। इसी तरह बरसात से पहले छाते और बरसाती की मांग, गर्मी से पहले कूलर और एसी की मांग, जाड़े से पहले हीटर और गीजर की मांग बढ़ जाना सामान्य सी बात है। पर एसी बीस हजार रु पये वाला बिकेगा या पचास हजार रु पये वाला, यह जानने के लिए उसे ग्राहकों का मनोविज्ञान और उनकी हैसियत जानना जरूरी है। अगर निम्न वर्गीय रिहायशी क्षेत्र में लिप्टन की ग्रीन लेबल चाय के डिब्बे दुकानों पर सजा दिए जाएं तो शायद एक डिब्बा भी न बिके पर रेड लेबल चाय धड़ल्ले से बिकती है। धनी बस्ती में पांच रु पये वाला ग्लूकोज बिस्कुट का पैकेट खरीदने कोई नहीं आएगा पर पांच सौ रु पये किलो की कूकीज के पैकेट धड़ल्ले से बिकते हैं।

इसलिए इन कंपनियों को हर पल बाजार और ग्राहक के मूड पर निगाह रखनी होती है। इससे ये कंपनियां कई अहम फैसले ले पाती हैं। मसलन, उत्पादन कब, कैसा और कितना किया जाए। वितरण कहां, कब और कितना किया जाए। विज्ञापन का स्वरूप कैसा हो। उसमें किस वर्ग का प्रतिनिधित्व किया जाए और क्या कहा जाए जो ग्राहक का ध्यान आकर्षित कर सके। इसी सूचना संकलन का असर था कि 10 वर्ष पहले सभी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने विज्ञापन अंग्रेजी की बजाय क्षेत्रीय भाषाओं में देने शुरू कर दिए। वरना हमारे बचपन में तो लक्स साबुन का विज्ञापन हिन्दी के अखबार में भी अंग्रेजी भाषा में आता था। जब सूचना का इतना महत्त्व बढ़ गया है तो जाहिर है कि इस सूचना को एकत्र करने वाले, प्रोसेस करने वाले और उसका विश्लेषण करने वाले सभी की मांग बजार में बेहद बढ़ गई है। यहां तक कि केवल इसी किस्म की सेवाएं देने वाली कंपनियों की बाढ़ आ गई है। जैसे पहले शेयर मार्केट को चलाने वाले बड़े-बड़े दलाल और बड़ी कंपनियां होती थीं पर आज इंटरनेट की मदद से देश के हर कस्बे और शहर में शेयर मार्केट में खेलने वाली हजारों कंपनियां खड़ी हो गई हैं।

अर्थव्यवस्था ही नहीं, कानून की स्थिति को बनाए रखने के लिए भी इस सूचना क्रांति ने भारी मदद की है। आज अपराधियों या आतंकवादियों के बारे में सूचना का भंडार पुलिस विभाग के पास उपलब्ध है, और आवश्यकता पडने पर मिनटों में देश में इधर से उधर भेज दिया जाता है। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी इस सूचना क्रांति ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के सैकड़ों दरवाजे खोल दिए हैं। आज देश के लगभग सभी शहरों, गांवों और कस्बों में इंटरनेट की मदद से बच्चों के पास दुनिया भर की जानकारी बड़ी आसानी से पहुंच रही है।

जब 1985 में देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कंप्यूटराइजेशन की बात की थी तो विपक्षी दलों और उनसे जुड़े पत्रकारों ने श्री गांधी का खूब मखौल बनाया था। उन पर कार्टून बनाए गए थे जिनमें दिखाया गया कि भूखे लोगों को राजीव गांधी कंप्यूटर सिखा रहे हैं। उस वक्त हमला करने वाले सभी राजनैतिक दल आज सबसे ज्यादा कंप्यूटर का प्रयोग कर रहे हैं। यह अनुभव यही बताता है कि हम राजनीति में हों या मीडिया में, तथ्यों का विवेकपूर्ण मूल्यांकन करें तो देश का लाभ होगा। विरोध के लिए विरोध करना सनसनीखेज तो हो सकता है पर इससे जनहित नहीं सधता। क्या यह बात हमारे देश के सभी सांसद सोचेंगे?

आस्था की डुबकी से ज्यादा जरूरी है ईश्वर की भक्ति

संजय गोस्वामी

आस्था का पागलपन आदमी को किस कदर अमानुषिक बना सकता है की आप अपनों को कष्ट में छोड़ कर डर से महा कुम्भ में पाप धोने महा कुम्भ जा रहे हैं कुंभ की शुरुआत बहुत पुरानी है और यह उस समय से शुरू हुई जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश (अमरता का अमृत कलश) बरामद किया गया था, जिसके लिए देवताओं और असुरों के बीच भयंकर युद्ध हुआ था। देवताओं से ज्यादा शक्तिशाली असुरों द्वारा अमृत कलश को जबरन अपने कब्जे में लेने से रोकने के लिए, इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी बृहस्पति, सूर्य, चंद्र और शनि देवताओं को सौंपी गई थी। चारों देवता अमृत कलश को असुरों से छिपाने के लिए उसे लेकर भाग गए। देवताओं की साजिश को जानकर, असुरों ने क्रूर रूप धारण कर लिया और अमृत कलश लेकर भाग रहे चारों देवताओं का पीछा किया। यह पीछा 12 दिन और रात तक चला, जिसके दौरान देवता और असुर पृथ्वी के चारों ओर घूमते रहे और इस पीछा के दौरान देवताओं ने हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में अमृत कलश रखा। अमृत कलश को 4 स्थानों पर रखे जाने की इस पवित्र घटना की याद में, हर 12 साल में कुंभ मनाया जाता है। अन्य पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवताओं और असुरों के बीच वास्तविक लड़ाई हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप अमृत कलश गिर गया था, जिसमें से (अमृत) उपरोक्त 4 स्थानों पर गिरा था।लेकिन यहाँ सवाल है कि आखिर इतने देवताओं कौन थे और इतने देवता थे तो ईश्वर कौन है ईश्वर एक है और संपूर्ण जगत का मालिक है और अच्छे बुरे का ख्याल रखने वाला परमात्मा भगवान श्री राम हैं जिसे स्वामी विवेकानंद ने उस ईश्वर की ध्यान में डुबकर उसकी अनुभूति हुई उन्होंने जो भी कहा वो ईश्वर के द्वारा बताये गए मार्ग पर चलना है जिसे आप अपने अनुसार उनके फोटो से ही उनका दिव्य रूप दिख जाता है जो व्यक्ति कल क्या होगा ऐ नहीं बता सकता वो कैसे कह सकता है कि 144साल बाद ही महाकुम्भ आएगा दरअसल एक कथा के अनुसार इन्द्र ने अंहकारवश वैजयंतीमाला का अपमान किया था, परिणामस्वरूप महालक्ष्मी उनसे रुष्ट हो गईं और उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था। देवराज इन्द्र अपने हाथी ऐरावत पर भ्रमण कर रहे थे। मार्ग में उनकी भेंट महर्षि दुर्वासा से हुई। उन्होंने इन्द्र को अपने गले से पुष्पमाला उतारकर भेंटस्वरूप दे दी। इन्द्र ने अभिमानवश उस पुष्पमाला को ऐरावत के गले में डाल दिया और ऐरावत ने उसे गले से उतारकर अपने पैरों तले रौंद डाला। अपने द्वारा दी हुई भेंट का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा को बहुत क्रोध आया। उन्होंने इन्द्र जो देवताओं के प्रमुख थे उन्होंने असुरो को होने का श्राप दे दिया कहा जाता है दुर्वासा मुनि सतयुग, त्रेता एवं द्वापर तीनों युगों में मौजूद थे। पुराणों के अध्ययन से पता चलता है कि वशिष्ठ, अत्रि, विश्वामित्र, दुर्वासा, अश्वत्थामा, राजा बलि, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, परशुराम, मार्कण्डेय ऋषि, वेद व्यास और जामवन्त आदि कई ऋषि, मुनि और देवता हुए हैं जिनका जिक्र सभी युगों में पाया जाता है। कहते हैं कि ये आज सशरीर जीवित हैं।ऋषि दुर्वासा ने इंद्रदेव को विशेष वर्तनी श्राप दिया था, जिसके कारण असुरों ने देवताओं को इतना कमजोर कर दिया की वे सभी भयभीत होकर ब्रम्हा भगवान के पास गए उन्होंने भगवान विष्णु के पास भेज दिया और भगवान विष्णु ने अमृत पाने का लालच देकर असुरों और देवताओं के बीच समुद्र मंथन का सुझाव बताया और समुद्र मंथन हुआ था।जिसमें सबसे पहले हलाहल विष निकला और जिसे भगवान शंकर ने सृष्टि को बचाने के लिए विष को अपने गले में अटका लिया और नीलकंठ भी नाम पड़ा, शास्त्रों के अनुसार ईश्वर एक है और यही गुरू नानकदेवजी ने भी कहा है अत: फिर इतने देवता कहाँ से ईश्वर हो सकते हैं दरअसल भगवान विष्णु और शंकर एक ही हैं जो समय समय पर अपना रूप बदलते हैं जैसा रसायन विज्ञान में आप आइसोटोप का नाम सुना होगा जो एक ही तत्व के कई अलग अलग रूप में होता हैं जैसे कार्बन का आइसोटोप डायमंड और ग्रेफाईट होता है एक विद्युत का चालक है दूसरा नहीं देवताओं का अर्थ है आपको सद्बुद्धि देने वाला और ईश्वर का अर्थ है सही ज्ञान देने बाला अत: सभी ईश्वर के एक ही अंश से बने है और असुरों का अर्थ है गलत शक्ति से किसी का बुरा कर अपने को खुब अच्छा बनाना और लूट मार कर आतंक फैलाना भ्रम में रखना और अपने को ही ईश्वर बताकर लोगों को अज्ञानी बनाकर लूट लेना और ईश्वर आपको सबकुछ आपके सामने रख कर आपकी परीक्षा लेते हैं कि आप विष पिएंगे या अमृत विष का मतलब त्याग से है और अमृत का मतलब कभी न मरने वाला पेय पदार्थ है लेकिन मौत इसके बाद भी आती है और जैसा करेंगे वैसा ही भरेंगे

ऐ सुन कर हैरान होता हूँ कि माँ बाप, पत्नी, पति बाल बच्चे को अकेले में मरता हुआ छोड़कर अमृत पाने की लालसा में महाकुम्भ जाकर अपना भला के बारे में सोचते है कैसी घटिया विचारों के लोग हैं जो अपनों से दूर रहकर अपनी भलाई का सोचते हैं आप भी इसपर गौर करें मार्च में जब महाकुम्भ खत्म होगा तो आपको भी मालूम होगा क्या ईश्वर मिला ईश्वर ऐसे नहीं मिलता आपका त्याग व तपस्या ही ईश्वर के पास लाता है जो प्रभु राम हैं उनका स्मरण करते रहें हौसला अवश्य मिलेगा. एक समाचार के अनुसार अपने माता पिता को छोड़ कर ताला लगाकर कुम्भ चला गया और बाद में उनके रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी वहां जुट गए। देखा कि भूख के कारण घर में रखे प्लास्टिक को चबा रही हैं। उसके गले से आवाज भी नहीं निकल रही थी। बेटी चांदनी को देखकर वह गले से लिपट गई और फफक फफक कर रोने लगीं। पैर में जख्म होने के कारण वह ठीक से चल भी नहीं पा रही थीं लेकिन कुछ ऐसी भी महिला व पुरुष है जो पति या सास ससुर के देखभाल के लिए त्याग का रास्ता अपना कर कर्म का रास्ता अपना रही है जो बिलकुल सही है अब ऐसी नौबत आ गई है कि महिलाओ की अस्मिता ही खत्म हो रही कहीं नहाने का वीडियो वायरल हो रहा कहीं उसपर कार्यवाही भी हो रही है जब महिलाओ के प्रति ऐसे गन्दे लोग गन्दे विचारों से परिपूर्ण होंगे तो गंगा को अपवित्र ही करेंगे इसने अपने और पराये का बोध भी करना सिखाया है लेकिन 144वर्ष बाद ही महाकुम्भ आएगा इसका दावे नहीं की जा सकती है हम सिर्फ भूत और वर्तमान ही जान सकते बावजूद भविष्य क्या होगा ऐ तो प्रभु राम ही जाने यदि हमें कोई कह दे की महाकुम्भ की दिव्यता भगवान श्री राम से ऊपर है तो प्रभु के चरणों में मर जाऊंगा क्योंकि मुझे मौत से डर नहीं है मुझे राम के नाम पर आस्था का खेल कर भगवान श्री राम के विचारों से प्रभावित नहीं होगा तो सब बेकार है विचार प्रभु के चरणों पर छोड़ दीजिये और उसकी ताकत देखिये जिसके स्पर्श से मात्र से वो पुन: नारी का रूप धारण कर लिया ऐ ईश्वर प्रभु राम के सिवा और कौन कर सकता है प्रभु राम के संपर्क से ही माता सीता को वो शक्ति मिली जिससे छूने पर रावण भस्म हो जाता ऐ है उनका प्रभु का तेज जो संसार को अलौकिक शक्ति दि है और नारी की अस्मिता बचाने हेतु रावण जैसे बलशाली और अमृत पेय मुर्ख को जब अहंकार हुआ तो प्रभु ऐसा पास बान या तीर कहाँ से आया जो अमृत को भी नस्ट कर दिया और अंत में मरते वक्त भगवान श्री राम को ना पहचानने की भूल को रावण ने स्वीकार किया और माफी भी माँगा इसलिए प्रभु ने उनका अंतिम संस्कार भी किया इसलिए आज रावण भी जीवित है जो प्रभु राम को बार बार मनुष्य जो ईश्वर का अंश है उसे क्रूर बना दिया की जानवर से भी कहीं अधिक क्रूर है आप लोगों पर मत जाये आप अपनी सुने क्या गलत है क्या सही है आप भगवान श्री राम से प्रेरणा लें आप इसपर विचार कीजिये और अच्छा कर्म करें जहाँ प्रभु राम है वहाँ आप हैं और वही ईश्वर है जो आपको सही ज्ञान देता है, अत: आप ईश्वर को खोजें, आस्था की डुबकी से ज्यादा जरुरी है ईश्वर की भक्ति. आप अच्छा कर्म करें देश की सेवा करें जो पैसा आने जाने में खर्च कर रहें हैं गरीबों को दान कर दें इस जीवन में क्या रखा है एक दिन तो सबको मरना है लेकिन जो अच्छा कर्म करता है उसे लोग सदियों तक याद रखता है जिस तरह वहाँ महिलाओ के नग्न तस्वीर को वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डालने की बात है यह गलत विचारों से ही पैदा हुआ है और इसमें बड़े लोग भी शामिल होंगे जहाँ तक मालूम हुआ है इसके तार विदेश से भी जुड़े हैं ऐ देश की सभ्यता और संस्कृति को शर्मसार करती है देश में भारतीय होने का गर्व करना चाहिए क्योंकि हमारे प्रभु श्री राम हैं लेकिन अभी अमेरिका ने इस तरह का भारत पर दबाब बनाना चालू किया है जैसे की अपनी पहले की दुश्मनी निकाल रहा है इससे बड़ा शर्म करने की बात क्या है जब अप्रवाशी भारतीय को जो मंकी रुट या अवैध रह रहें थे उसमें पुरुष के साथ स्त्रियों को भी हथकड़ी और बेरियो से भारत के उस हवाई अड्डे पर उतारा गया जहाँ गुरुओ ने अपनी शहादत जुल्म के खिलाफ दि थी. इसमें रशिया ने कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दि इससे आप समझ सकते हैं कहीं ना कहीं अमेरिका को यह पता चल गया है इसके पीठ के ऊपर कोई नहीं है क्योंकि जब रशिया के सैनिक मारे जा रहें थे तब उन्हें मदद करनी चाहिए थी ना की तठस्थ रहना क्योंकि जब एक भाई दूसरे भाई का दर्द नहीं समझ सकता तो बड़ा भाई भी क्यों उसके पीछे साथ दें पुतिन का भारत जी 20 में न आना इस बात की तरफ इशारा करता है कि वो अंदर से नाराज है क्यों ना हो जब आपके ऊपर आक्रमण हुए तो रशिया ने मदद की है चाहें वो अच्छा हो या गलत लेकिन छोटे भाई के नाते मदद करनी चाहिए अमेरिका को भारत के अंदरूनी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना उचित नहीं है यह एक लोकतान्त्रिक देश है जहाँ अपनी शान के लिए देश के लिए शहीद होना जरुरी समझेंगे ना की किसी के आगे झुकना, यही हमारे सिख गुरुओं ने खासकर गुरुगोविन्द सिंह ने सिखाई है।

रोजाना फूलगोभी खाने से हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

आजकल सब्जी मंडी में ताजी फूलगोभी आने लगी है. फूलगोभी कई विटामिनों से भरपूर होती है और सेहत के लिए फायदेमंद होती है. फूलगोभी में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं. फूलगोभी में विटामिन सी, विटामिन ए और विटामिन बी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. हालांकि, रोजाना फूलगोभी खाने से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है. इसलिए कुछ लोगों को फूलगोभी खाने से मना किया जाता है. फूलगोभी खाने से पेट फूलना, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. जानिए किन लोगों को फूलगोभी नहीं खानी चाहिए?

इन लोगों को नहीं खानी चाहिए फूलगोभी:

गैस और सूजन की समस्या- जिन लोगों को अक्सर खान-पान की वजह से गैस और एसिडिटी की समस्या रहती है. उन्हें फूलगोभी का सेवन कम से कम करना चाहिए. फूलगोभी में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो पाचन से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा सकता है. फूलगोभी की सब्जी या पराठा खाने के बाद आपको गैस और सूजन की समस्या हो सकती है. इसलिए फूलगोभी का सेवन न करें.

थायराइड में फूलगोभी न खाएं- अगर आपको थायरॉइड की समस्या है तो फूलगोभी न खाएं. इससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है. फूलगोभी खाने से थायरॉइड ग्रंथि की आयोडीन इस्तेमाल करने की क्षमता कम हो जाती है. इससे परेशानी हो सकती है. फूलगोभी खास तौर पर ञ्ज3 और ञ्ज4 हार्मोन के स्तर को प्रभावित कर सकती है. इसलिए थायरॉइड के मरीजों को फूलगोभी का सेवन कम से कम करना चाहिए.

पथरी होने पर फूलगोभी न खाएं- पथरी होने पर भी फूलगोभी का सेवन नहीं करना चाहिए. यह नुकसानदायक हो सकता है. खासकर अगर आपके पित्ताशय और किडनी में पथरी है तो आपको फूलगोभी खाने से बचना चाहिए. फूलगोभी में कैल्शियम होता है जो पथरी की समस्या को बढ़ा सकता है.

ब्लड क्लॉटिंग की समस्या होने पर - अगर आपको ब्लड क्लॉटिंग की समस्या है तो फूलगोभी का सेवन बिल्कुल न करें. फूलगोभी में पोटैशियम की मात्रा बहुत अधिक होती है जो शरीर में खून को गाढ़ा कर सकता है. इसलिए फूलगोभी का सेवन सीमित करें या बिल्कुल न खाएं.

प्रेग्नेंसी में फूलगोभी न खाएं - प्रेग्नेंसी में भी आपको फूलगोभी का सेवन करने से बचना चाहिए. इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं. खासकर प्रेग्नेंसी में इससे गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए फूलगोभी से परहेज करना जरूरी है.

मेंटल हेल्थ के लिए वर्क फ्रॉम होम से ज्यादा बेहतर है वर्क फ्रॉम ऑफिस

कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर में लोगों ने बाहर जाकर काम करने की बजाय घर से ही काम किया. उस दौर में वर्क फ्रॉम होम का चलन बढ़ा और लोगों को इससे फायदा भी हुआ. इतने दिनों बाद भी कई कंपनियां हैं जो अपने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन दे रही हैं. लेकिन लंबे समय तक वर्क फ्रॉम होम करने से लोगों की मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ा है. हाल ही में कराई गई एक स्टडी में पता चला है कि मेंटल हेल्थ को दुरुस्त रखने में वर्क फ्रॉम होम की जगह वर्क फ्रॉम ऑफिस ज्यादा बेहतर है.हाल ही में ग्लोबल स्तर पर कराई गई एक स्टडी में कहा गया है कि भारत में ऑफिस में काम करने वाले इम्पलॉयी की मेंटल हेल्थ घर से काम करने वालों की अपेक्षा अच्छी रहती है.

इसमें कहा गया है कि यूरोप और अमेरिका के उलट भारत में दफ्तर से काम करने वालों को मानसिक सुकून मिलता है. यहां दफ्तर से काम करने वाले लोग घर से काम करने वाले या हाईब्रिड माहौल में काम करने वालों की अपेक्षा कम तनाव में रहते हैं. यूरोप और अमेरिका की बात करें तो स्टडी कहती है कि इन जगहों पर हाइब्रिड माहौल में काम करने वाले लोगों की मेंटल हेल्थ की अच्छी ग्रोथ होती है. अमेरिका में सेपियंस लैब में वर्क कल्चर एंड मेंटल वेलबीइंग द्वारा ये स्टडी करवाई गई थी. इस स्टडी के तहत करीब 55 हजार कर्मचारियों को इस रिसर्च में शामिल किया गया. इस स्टडी में पाया गया कि अकेले काम करने वालों की अपेक्षा टीम में काम करने वाले लोगों की मेंटल हेल्थ ज्यादा अच्छी थी. वहीं दूसरी तरफ टीम के आकार और मेंटल हेल्थ में ग्रोथ की बात करें तो इस मामले में दूसरे देश भारत से ज्यादा बेहतर हैं.

रोजाना कुछ मिनट करें स्लेज पुश एक्सरसाइज

स्लेज पुश एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर की ताकत और सहनशक्ति को बढ़ाने में मदद करता है।यह न केवल आपके पैरों और कंधों को मजबूत बनाता है, बल्कि आपके हृदय स्वास्थ्य को भी सुधारता है।स्लेज पुश का उपयोग अक्सर एथलीट्स और फिटनेस प्रेमियों द्वारा किया जाता है क्योंकि यह एक उच्च तीव्रता वाली एक्सरसाइज है, जो कम समय में अधिक परिणाम देती है और शरीर की कई मांसपेशियों को सक्रिय करती है।

पैरों की मजबूती बढ़ाने में है सहायक

स्लेज पुश करते समय आपके पैर सबसे ज्यादा काम करते हैं।इस एक्सरसाइज से आपकी जांघों, पिंडलियों और ग्लूट्स की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।इसमें जब आप स्लेज को धक्का देते हैं तो आपको अपने पैरों से जोर लगाना पड़ता है, जिससे उनकी ताकत बढ़ती है। नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करने से आपकी दौडने और कूदने की क्षमता भी बेहतर होती है।इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पैरों की सहनशक्ति को भी बढ़ाता है।

कंधों और बाहों का विकास में हैं मददगार

स्लेज पुश न केवल पैरों के लिए बल्कि कंधों और बाहों के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। जब आप स्लेज को धक्का देते हैं तो आपके कंधे और बाहें भी सक्रिय रहती हैं।इससे उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और सहनशक्ति बढ़ती है।यह एक्सरसाइज उन लोगों के लिए खास तौर पर अच्छा होता है, जो अपने ऊपरी शरीर की ताकत बढ़ाना चाहते हैं और अपनी फिटनेस को एक नए स्तर पर ले जाना चाहते हैं।

जानें हेयर कॉम्बिंग करने का सही तरीका

ज्यादा कंघी करने से क्यों झड़ते हैं बाल?

खूबसूरत लहराते, काले, घने और मजबूत बाल किसे पसंद नहीं होते हैं. महिला हो या पुरुष बाल दोनों के लिए बहुत मायने रखते हैं. क्योंकि इस पर उनका ओवरऑल लुक डिपेंड करता है. ऐसे में लोग इनका ख्याल रखने में कोई कमी नहीं छोड़ते हैं. लेकिन जाने-अनजाने कई बार लोग ऐसी गलतियां कर देते हैं जिनसे बालों को बहुत नुकसान होता है. ऐसी ही एक गलती है बालों को गलत तरीके या बहुत ज्यादा कंघी करना. ज्यादा कंघी करने से बालों को नुकसान होता है. जितना आप बाल झाड़ेंगे, ये टूटेंगे, कमजोर होंगे. चलिए विस्तार से जानते हैं अधिक कंघी करने से बालों को क्या नुकसान हो सकता है, कब और कितनी बार करनी चाहिए कंघी.

बालों को ज्यादा कंघी करने से क्या नुकसान होता है?

हेयर फॉल की समस्या

देखभाल की कमी से बाल टूटते हैं. डैंड्रफ, हॉर्मोनल प्रॉब्लम, शरीर में पोषक तत्वों की कमी से भी बालों को नुकसान होता है. ज्यादा कंघी करने से भी कुछ लोगों को हेयर फॉल की समस्या होती है.

जड़ों से कमजोर हो जाते बाल

जिन लोगों के बाल बहुत पतले होते हैं उन्हें बालों को ज्यादा कंघी करने से बचना चाहिए. क्योंकि ऐसे लोगों के बाल जड़ों से कमजोर होते हैं. जिन लोगों के बाल पहले से अधिक टूट रहे हों उन्हें इससे बचना चाहिए.

स्कैल्प को पहुंचता नुकसान

जल्दी-जल्दी कंघी करने से स्कैल्प को नुकसान पहुंचता है. रूसी होने के कारण स्कैल्प में खुजली, इर्रिटेशन हो सकती है. डैंड्रफ होने पर अधिक तेजी से कॉम्ब करने पर रूसी बालों में ऊपर की तरफ आ जाते हैं.

हेयर क्यूटिकल्स होता डैमेज

अधिक कंघी करने से हेयर क्यूटिकल्स को भी नुकसान होता है. ये बालों की सुरक्षा कवच होते हैं. अधिक कंघी करने से इन्हें नुकसान होता है. ऐसे में बाल संवेदनशील होकर टूटने शुरू हो जाते हैं.

बालों में कैसे करनी चाहिए कंघी?

1. जब आपको लगे कि आपके बाल उलझे हुए हैं तो ही कंघी करें. बालों को हर समय खुला ना रखें. इससे ये उलझेंगे नहीं और आपको बार-बार कॉम्ब नहीं करनी पड़ेगा.

2.पुरुषों के बाल छोटे होते हैं, ऐसे में वे कंघी ना भी करें तो चलेगा. लेकिन स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बना रहे, इसके लिए आप दिन भर में एक से दो बार कंघी कर सकते हैं.

3. महिलाओं के बाल बहुत घने, लंबे हैं तो बेहतर होगा कि इन्हें बांधकर रखें. दिन भर में दो बार बालों को कंघी करना काफी है. घुंघराले बालों को भी दो बार कंघी करें.

4.कंघी हमेशा चौड़े, मोटे दांतों वाली ही खरीदें. क्वालिटी का ध्यान रखें.कभी भी शैम्पू करने के बाद गीले बालों में कंघी ना करें. इससे बाल अधिक टूटते हैं.

घरेलू नुस्खे आ सकते हैं काम

लगातार हो रही है बलगम वाली खांसी ?

अगर आपको खांसी और/या बुखार के साथ सांस लेने में तकलीफ हो रही है. तो आपको छाती में इंफेक्शन या निमोनिया हो सकता है. सांस लेने में समस्या के कम आम कारण हैं फेफड़ों का कैंसर, फेफड़ों में खून का थक्का जमना, फेफड़ों के आसपास हवा का रिसाव और फेफड़ों के सेल्स पर निशान पडना. आदि शामिल हो सकता है. लगातार होने वाली खांसी ओवरऑल हेल्थ के लिए खतरनाक साबित हो सकता है.

आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं जिसके जरिए आप खांसी से निजात पा सकते हैं:

सूप और हॉट ड्रिंक पिएं: चाय या शोरबा जैसे बहुत सारे तरल पदार्थ पीने से आपके गले में बलगम पतला हो सकता है.

गर्म नमक के पानी से गरारे करें: गर्म नमक के पानी से गरारे करने से सूखे गले को नमी मिलती है.

ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें: ह्यूमिडिफायर हवा में नमी लाता है, जिससे सूखी खांसी से राहत मिलती है.

स्टीम लें: भाप बलगम की रुकावट को दूर करने और आपके वायुमार्ग को खोलने में मदद कर सकती है.

शहद आजमाएं: एक चम्मच शहद खांसी को कम करने में मदद कर सकता है.

खांसी की दवा या हार्ड कैंडी चूसें: ये सूखी खांसी को कम करने और गले की जलन को शांत करने में मदद कर सकते हैं.

हर्बल चाय पिएं: पुदीना, अदरक, स्लिपरी एल्म, थाइम, हल्दी या मार्शमैलो रूट से बनी हर्बल चाय मदद कर सकती है.

मुलेठी आजमाएं: मुलेठी की जड़ की चाय अतिरिक्त बलगम को हटाने में मदद कर सकती है और यह एक प्राकृतिक सूजन-रोधी है.

गर्म पानी में नींबू मिलाएं: गर्म पानी में नींबू की कुछ बूँदें गले के दर्द को कम कर सकती हैं.

प्रोबायोटिक्स या ब्रोमेलैन सप्लीमेंट लें: इस बात के कुछ प्रमाण हैं कि ये सप्लीमेंट खांसी को कम करने में मदद कर सकते हैं. अगर आपकी खांसी बनी रहती है, तो आपको अपने लक्षणों का कारण जानने और सबसे अच्छा इलाज खोजने के लिए डॉक्टर से मिलना चाहिए.

कई लाभ प्रदान करने में सहायक हो सकती है स्केचिंग

अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए रोजाना स्केचिंग की आदत डालना एक बेहतरीन तरीका है। यह न केवल आपके ड्रॉइंग कौशल को सुधारता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है।स्केचिंग से आपका ध्यान केंद्रित होता है और तनाव कम होता है।इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप आसानी से रोजाना स्केचिंग की आदत डाल सकते हैं और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

छोटे लक्ष्य निर्धारित करें

शुरुआत में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के बजाय छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें।उदाहरण के लिए पहले दिन सिर्फ 5 मिनट का समय निकालें और धीरे-धीरे इसे बढ़ाएं। इससे आपको बोझ महसूस नहीं होगा और आप नियमित रूप से स्केचिंग कर पाएंगे। जैसे-जैसे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, आप समय को 10-15 मिनट तक बढ़ा सकते हैं।छोटे लक्ष्यों से शुरुआत करने पर आप आसानी से इस आदत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकेंगे।

सही उपकरण चुनें

स्केचिंग के लिए सही उपकरणों का चयन बहुत अहम है। एक अच्छा पेंसिल सेट, इरेजर, और स्केचबुक खरीदें। इन उपकरणों से आपका काम आसान हो जाएगा और आप बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।पेंसिल सेट में अलग-अलग प्रकार की पेंसिलें होनी चाहिए ताकि आप अलग-अलग शेड्स बना सकें। इरेजर का चयन भी ध्यान से करें ताकि वह कागज को नुकसान न पहुंचाए।एक अच्छी स्केचबुक आपके स्केचेस को सुरक्षित रखेगी और आपको प्रेरित करेगी।

प्रेरणा स्रोत ढूंढें

प्रेरणा पाने के लिए अपने आस-पास की चीजों पर ध्यान दें। प्रकृति, लोग या कोई वस्तु, कुछ भी आपकी प्रेरणा बन सकता है। इंटरनेट पर भी कई आर्टिस्ट्स के काम देख सकते हैं, जो आपकी रचनात्मकता को बढ़ावा देंगे।इसके अलावा आर्ट गैलरी या म्यूजियम में जाकर भी आप नई प्रेरणा पा सकते हैं। किताबें और मैगजीन भी अच्छे स्रोत हो सकते हैं।अपने दोस्तों और परिवार से भी सुझाव लें, उनकी राय से नए विचार मिल सकते हैं।

नियमित समय निर्धारित करें

रोजाना एक निश्चित समय पर स्केचिंग करने की आदत डालें। इससे यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगा और आप इसे भूलेंगे नहीं।

प्रेग्नेंसी में नमक ज्यादा खाने से हो सकते हैं हाई बीपी के शिकार

गर्भवती महिला को अक्सर सलाह दी जाती है कि यह न करें वो न करें. डाइट में इन चीजों को शामिल करें. ऐसी लाइफस्टाइल रखें. प्रेग्नेंसी के दौरान अक्सर चीनी और नमक का ज्यादा इस्तेमाल से मना किया जाता है. क्योंकि इससे कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती है. प्रेग्नेंसी को दौरान हद से ज्यादा नमक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. आइए एबीपी लाइव हिंदी के स्पेशल सीरीज मिथ और फैक्ट में जानें इस बात में कितनी सच्चाई है.

प्रेग्नेंसी में कितना नमक खाना चाहिए?

प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा नमक खाना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. नमक खाने से शरीर में कई सारी दिक्कत हो सकती है. भ्रूण विकास में नमक बेहद जरूरी होता है. प्रेग्नेंसी

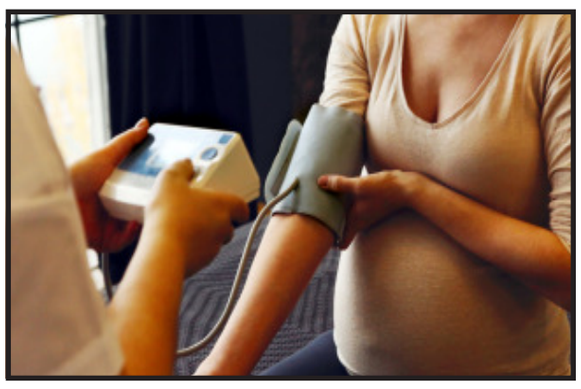

के दौरान एक सीमित मात्रा में नमक खाना चाहिए. गर्भवती महिला को हर दिन 3.8 ग्राम नमक खाना चाहिए. 1 दिन में 5.8 ग्राम से अधिक नमक न खाएं इससे कई तरह की परेशानी हो सकती है.

नमक के बिना कोई भी खाने का स्वाद फीका हो जाता है. देखा जाए तो यह हमारी डाइट का अहम हिस्सा होता है. शरीर में सोडियम की कमी के कारण कई सारी दिक्कतें हो सकती है. अगर आप गर्भ में पल रहे बच्चे को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं तो प्रेग्नेंसी के दौरान सीमित मात्रा में नमक खाएं. आइए जानें प्रेग्नेंसी के दौरान नमक खाने के क्या फायदे होते हैं. प्रेग्नेंसी के दौरान भ्रूण के विकास के लिए नमक बेहद जरूरी चीज होती है. आयोडीन शिशु के लिए बेहद जरूरी होता है. आयोडिन से नर्वस सिस्टम और ब्रेन का विकास होता है.

हद से ज्यादा नमक खाने से होने वाले नुकसान

गर्भावस्था के दौरान बहुत ज्यादा नमक खाने से प्रीक्लेम्पसिया, गर्भपात और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों जैसी जटिलताओं का जोखिम बढ़ सकता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि नमक शरीर में पानी को बनाए रखता है. जिससे हाई बीपी और सूजन हो सकती है. प्रीक्लेम्पसिया के कारण समय से पहले प्रसव, कम वजन का जन्म और सांस संबंधी समस्याएं हो सकती हैं.

एनएचएस की सलाह है कि गर्भवती महिलाओं को अपने नमक का सेवन प्रतिदिन 6 ग्राम तक सीमित रखना चाहिए. नमक का सेवन कम करने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं.पैक्ड फूड जैसे सोया सॉस, सरसों और मेयोनेज जैसे टेबल सॉस का उपयोग सीमित करें खाना बनाते समय या खाना तैयार होने के बाद नमक डालने से बचें घर पर खाना बनाएं.

क्या आपको भी है हर टाइम नाखून खाने की आदत

नाखून खाने की आदत को नेल बाइटिंग भी कहा जाता है. वहीं काफी बड़ी संख्या में लोग इस आदत का शिकार हो जाते हैं और फिर लाख कोशिशों के बाद भी इस आदत से छुटकारा नहीं मिल पाता है. यह आदत बच्चों और किशोरावस्था में काफी ज्यादा देखने को मिलती है. वहीं एक्सपर्ट के मुताबिक नेल बाइटिंग हमारी सेहत के लिए काफी ज्यादा हानिकारक है. वहीं अक्सर देखा गया है कि लोग नाखून स्ट्रेस और एंग्जायटी की वजह से चबाते है. आइए आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताते है.

इस वजह से चबाते है नाखून

काफी लोगों में ये दिक्कत एग्जाम, स्ट्रेस, एंग्जायटी, वर्कलोड जैसी दिक्कतों की वजह से नाखून चबाने लग जाते है. इसके अलावा काफी लोग बोरियत की वजह से भी

नेल बाइटिंग करने लगते हैं. वहीं कुछ लोगों की नेल बाइटिंग आदत बन जाती है. जब यह आदत बन जाती है, तो व्यक्ति बिना सोचे समझे या बिना किसी विशेष कारण के नाखून चबाने लगते हैं.

इस कारण होती है ये दिक्कत

वहीं एक्सपर्ट के मुताबिक किशोरावस्था के दौरान हॉर्मोनल चेंजेस और शारीरिक बदलाव भी नेल बाइटिंग की आदत को बढ़ावा दे सकते हैं. इस दौरान मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव सामान्य होते हैं, जो इस आदत को प्रभावित कर सकते हैं. कुछ रिसर्च की मानें तो नेल बाइटिंग एक जेनेटिक आदत हो सकती है. अगर परिवार के किसी सदस्य में यह आदत है, तो यह बाकी लोगों को भी हो सकती है.

क्या होता है इससे नुकसान

एक्सपर्ट के अनुसार नाखून चबाने से होथों और मुंह में इंफेक्शन का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. वहीं लगातार नाखून चबाने से नाखूनों की क्वालिटी भी खराब हो जाती है और इससे आसपास की स्किन में भी काफी बीमारियां फैल जाती है. वहीं नाखून चबाने का इस पर काफी असर पड़ता है और कई तरह की परेशानियां पैदा हो सकती हैं.

मन की बात से सभी में नया प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन होता है : धामी

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को जगतगुरु आश्रम, हरिद्वार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 119 वां संस्करण सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम पूरे देश वासियों को एक नई प्रेरणा देता है। मन की बात से सभी में नया प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन होता है। देश के सामूहिक प्रयासों, युवा सपनों और नागरिकों की आकांक्षाओं की बात को प्रधानमंत्री सबसे साझा कर, बेहतर कार्यों के लिए देशवासियों को प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के बारे में देश व दुनिया को मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने कहा

कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखंड के भिन्न-भिन्न स्थानों पर आयोजित किए गए। उत्तराखंड के 11 स्थान पर इन खेलों का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। जिसमें राफ्टिंग की प्रतियोगिता शारदा और काली नदी में दिन के बजाय रात्रि में सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि 38 वें राष्ट्रीय खेल राज्य की खेल प्रतिभाओं के लिए बहुत बड़ा अवसर था। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि, वीर भूमि के साथ अब खेल भूमि के रूप में स्थापित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जहां 37वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड का स्थान 25वे नंबर पर था वहीं 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड का स्थान सातवें नंबर पर होना गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में देश भर से आए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों की बात करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री से की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग

संवाद सहयोगी

विकासनगर। मुख्यमंत्री के त्यूणी दौरे के दौरान स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधियों में अपनी समस्याओं को उनके सामने रखा। पीएचसी त्यूणी में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही अन्य अस्पतालों में भी पर्याप्त संसाधन मुहैया कराने की मांग सीएम से की गई। इसके साथ ही कई सड़कों के निर्माण और सुधारीकरण की मांग भी स्थानीय जनता की ओर से की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान ने कहा कि 120 करोड़ के हनोल मास्टर प्लान के तहत महासू सर्किट विकसित किया जाना चाहिए। प्लान में पहले से हनोल से ठडियार तक का क्षेत्र शामिल है, जिसे मैंद्रथ तक जोड़ा जाना चाहिए। कहा कि मास्टर प्लान को लागू करते समय स्थानीय लोगों से भी सलाह मशविरा किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में जौनसार बावर में विकास का काम हुआ है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चकराता विधान सभा क्षेत्र की विधायक निधि की बंदरबांट के लिए त्यूणी की आरा मशीन में सिंहासन लगाया जाता है, जिसमें बैठकर विधायक निधि को खुर्दबुर्द किया जाता है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामशरण नौटियाल ने कहा कि नवीन चकराता जौनसार बावर में नई टाउनशिप का खाका प्रस्तुत करेगा, लेकिन साल 1997 से अभी तक इस दिशा में कोई कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से नवीन चकराता बसाने के लिए जल्द कार्यवाही शुरु करने की मांग की है।

नाबालिग के अपहरण का आरोपी लखनऊ से गिरफ्तार

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। विकासनगर निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि बीती 14 दिसंबर को उसकी नाबालिग बेटी पांवटा साहित गई थी, जो वापस नहीं आई। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने 15 दिसंबर को अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पीड़िता की तलाश शुरू कर दी। संदिग्ध मोबाइल नंबरों की सर्विलांस करने, सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर 22 फरवरी को शाम साढ़े छह बजे पीड़िता और अपहर्ता को ट्रांसपोर्टनगर, मेट्रो स्टेशन के पास थाना सरोजनी नगर जिला लखनऊ से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया।

सेलाकुई में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

विकासनगर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई युवक की हत्या के मामले का खुलासा कर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बीती 14 फरवरी को हरिपुर-सेलाकुई निवासी विनोद पाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसके बेटे मोहित पाल पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जान से मारने की नीयत से हमला किया गया। घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पीड़ित की तहरीर पर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक युवक के सिर पर आई चोटों को देखकर घटना संदिग्ध प्रतीत हुई। पुलिस टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक का विजय उर्फ नीतू नाम के व्यक्ति से अक्सर विवाद रहता था। शक के आधार पर पुलिस ने विजय उर्फ नीतू को उसके हरिपुर सेलाकुई स्थित घर से हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने कबूल किया कि 14 फरवरी की रात में आपसी बहस के दौरान मृतक मोहित के सिर पर डंडे से वार कर उसे जान से मारने की नीयत से छत से धक्का देकर नीचे फेंक दिया था। अभियुक्त ने बताया कि वह गाड़ी चलाने का कार्य करता है। घटना वाले दिन उसने मृतक मोहित पाल को अपने घर के पास बैठकर नशा करते हुए देखा। उसने मोहित को अपने पास बुलाया और दोनों नशा करने लगे। इसी दौरान उनकी आपस में बहस हो गई। आरोपी द्वारा मोहित पाल के सिर पर डंडे से वार कर दिया, जिस पर मोहित भागकर पास के ही मकान की छत पर चला गया, जहां से आरोपी ने उसे मारने की नीयत से धक्का देकर नीचे फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद किया।

स्वच्छता अभियान चला लोगों को किया जागरूक

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। संत निरंकारी मिशन ने श्प्रोजेक्ट अमृतश के तहत रविवार को स्वच्छ जल स्वच्छ मन परियोजना के तृतीय चरण के तहत विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया। मिशन से जुड़े सेवादारों ने अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। संत निरंकारी मिशन ने स्वच्छ जल, स्वच्छ मन परियोजना के तहत त्रिवेणी घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि यह वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 900 से अधिक शहरों में 1600 से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है। इस महाअभियान की यह अभूतपूर्व व्यापकता इसे एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करेगी, जिससे जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश और अधिक प्रभावशाली रूप से जन-जन तक पहुंचेगा। इसके तहत त्रिवेणी घाट में जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह के सानिध्य में गंगा किनारे फैली गंदगी को साफ किया गया तथा घाट पर झाड़ू लगाकर सफाई की गई। अभियान में सेवादारों ने 40 बोरी कूड़ा एकत्रित किया और कूड़ा निस्तारण के लिए नगर निगम की टीम को सौंपा गया। इस दौरान संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन से जुड़े बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

वहीं संत निरंकारी मिलशन के स्वच्छ जल- स्वच्छ मन व अमृत परियोजना के तहत डोईवाला में सौंग नदी किनारे स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके साथ ही रैली निकाल क्षेत्रवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान में पहुंचे पालिकाध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु देशभर में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चला रहा है। जो सराहनीय है।

आरोग्य योग यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश और एफओजीएसआई के संयुक्त तत्वावधान में आरोग्य योग यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बताया गया कि एफओजीएसआई की इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य, योग के लाभों के बारे में जन सामान्य को जागरूक करना और योग से होने वाले लाभ को आधुनिक चिकित्सा में साथ शामिल करना है।

एम्स ऑडटोरियम में आयोजित आरोग्य योग यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि एनएचएम की निदेशक आईएएस स्वाति एस भदौरिया, डॉ. स्वामी दयाधीपानंद, संस्थान की कार्यकारी निदेशक मीनू सिंह, एफओजीएसआई की अध्यक्ष डॉ. सुनीता तंदुलवाडकर, संयोजक एवाईवाई डॉ. जयम कन्नन, उपाध्यक्ष एफओजीएसआई डॉ. श्यामल सेठ, एम्स डीन अकादमिक और ओबीएस और स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जया चतुर्वेदी व चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर सत्यश्री बलिजा ने संयुक्त रूप से किया। सत्र की शुरुआत योगी अमृतराज के निर्देशन में योग साधकों द्वारा कुर्सी योग प्रदर्शन से हुई। डीन अकादमिक और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने जनसामान्य को कार्यक्रम के विषय वस्तु से अवगत कराया। कार्यकारी निदेशक मीनू सिंह ने अध्यात्म और चिकित्सा के एकीकरण के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि आईएएस स्वाति भदौरिया ने महिलाओं और मातृ स्वास्थ्य देखभाल के मद्देनजर एनएचएम के तहत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और जनसामान्य को इन कार्यक्रमों से होने वाले लाभ से अवगत कराया। रामकृष्ण मिशन अस्पताल मुंबई के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. स्वामी दयाधीपानंद ने व्याख्यान में सभी के समक्ष स्वामी विवेकानंद के विचारों को साझा किया, जिसमें समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और सामाजिक लाभ के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में ऋषिकेश और समीपवर्ती क्षेत्र के वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों को मरीजों की स्वास्थ्य सेवा में सतत योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान की प्रोफेसर शालिनी राजाराम, प्रो. अनुपमा बहादुर, प्रो. वंदना ढींगरा, प्रो. रश्मि मल्होत्रा, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. लतिका चावला, डॉ. कविता खोईवाल, डॉ. राजलक्ष्मी मुंदड़ा, डॉ. ओम कुमारी, डॉ. पूनम गिल आदि ने शिरकत की।

वहीं एमआईईटी कुमाऊं कॉलेज में सोमवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू होने जा रहा है। इसमें 8 प्रमुख विषयों पर 300 से अधिक शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। जबकि 800 से अधिक प्रतिभागी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। रामपुर रोड स्थित होटल में पत्रकारों से वार्ता में प्रबंध निदेशक डॉ. बीएस बिष्ट, कार्यकारी निदेशक डॉ.तरुण सक्सेना ने बताया कि यह सम्मेलन उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें सतत विकास के लिए कृषि विज्ञान, एसटीईएम और स्वास्थ्य में उभरते रुझान पर चर्चा की जाएगी। मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट, गेस्ट ऑफ ऑनर एसएसजे विवि के कुलपति प्रो. डॉ. सतपाल सिंह, निदेशक उत्तराखंड कार्उंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रो. डॉ.संजय रहेंगे।

एनएसएस के शिविर में अनिल वर्मा को नवाजा

देहरादून। राजकीय इंटर कॉलेज नालापानी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें यूथ रेडक्रास कमेटी के अनिल वर्मा मास्टर ट्रेनर रहे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को आपदा प्रबंधन, अग्निशमन और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया। नशामुक्ति, एड्स कंट्रोल, एनीमिया, रक्तदान, थैलीसीमिया, डेंगू कंट्रोल एवं सड़क सुरक्षा आदिघ्छ विभिन्न विषयों पर जागरूक किया। प्रधानाचार्य डॉ. जेपी तिवारी, एनएसएस अधिकारी एलएस बुटोला और राज्य शिक्षा, अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् सदस्य एसएस नेगी ने अनिल वर्मा को रिकॉर्ड 155 बार रक्तदान करने एवं प्रशिक्षण के लिए उन्हें शिक्षा विभाग उत्तराखंड सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

उत्तराखंड में शराब पर लगे प्रतिबंध : देवी सिंह पंवार

संवाद सहयोगी

उत्तरकाशी। देवभूमि उत्तराखंड नशामुक्त जनमोर्चा संगठन प्रतापनगर के संयोजक और राज्य आंदोलनकारी देवी सिंह पंवार ने कहा कि उत्तराखंड में शराब को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। शराब के कारण देवभूमि में अराजकता और अशांति का माहौल व्याप्त हो गया है। इसके विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा। जनमोर्चा संगठन ने टिहरी के प्रतापनगर से नशामुक्त अभियान की शुरूआत की। रविवार को जीएमवीएन गेस्ट हाउस में पत्रकार वार्ता करते हुए जनमोर्चा संगठन के संयोजक देवी सिंह पंवार ने कहा कि जिन उद्देश्यों और सोच के साथ उत्तराखंड की लड़ाई लड़ी गई थी, उन उम्मीदों पर सरकारें खरा नहीं उतर पाई। बल्कि उत्तराखंड के कोने-कोने में शराब के ठेके खोलकर यहां की अद्भुत संस्कृति और सभ्यता को तहस-नहस करने का काम किया गया है। आज बिना शराब परोसे कोई काम नहीं हो रहे। छोटे से छोटे कामों के लिए शराब परोसी जाती है। जिससे देवभूमि अराजकता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देवभूमि ऋषि मुनियों की तपस्थली है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में शराब, चरस, स्मैक आदि नशा के खिलाफ मुहिम छेड़ी जाएगी, जिसकी शुरूआत टिहरी के प्रतापनगर ब्लॉक से कर दी गई है। अब तक प्रतापनगर क्षेत्र के 25 से 30 गांवों में शराब के प्रचलन को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जा चुका है। इस मुहिम में सबसे ज्यादा महिलाओं की भागीदारी सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि हर्षिल-मुखबा में आगामी 27 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे पर उन्हें भी डीएम के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा और उत्तराखंड को ड्राई स्टेट घोषित करने की मांग की जाएगी। वार्ता के दौरान प्रतापनगर ब्लॉक प्रशासक प्रदीप रमोला, निवर्तमान जिपंस रेखा असवाल, विजयपाल मखलोगा आदि भी मौजूद रहे।

कर्मचारी संयुक्त परिषद पूरी तरह एकजुट: पांडेय

संवाद सहयोगी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष अरुण पांडेय ने कहा कि परिषद पूरी तरह एकजुट है। जो लोग परिषद की गरिमा को गिराने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में कार्यवाही होगी। परिषद अध्यक्ष अरुण पांडेय ने कहा कि जल्द प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई जा रही है। बैठक में सख्त फैसले लिए जाएंगे। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कहा कि शनिवार को हुए द्विवार्षिक अधिवेशन में सर्वसम्मति से चुने गए पांच सदस्यीय चुनाव अधिकारियों ने संविधान के तय प्रावधानों के तहत चुनावी प्रक्रिया को सम्पन्न कराया। चुनाव अधिकारियों की घोषणा के समय उनकी नियुक्ति पर किसी भी तरह की आपत्ति नहीं की गई। संवैधानिक रुप से नामांकन खारिज होने पर चुनाव अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया गया। कहा कि परिषद राज्य कर्मचारियों का सबसे बड़ा संगठन है। किसी व्यक्ति विशेष को स्वयं के हितों के लिए इसका दुरुपयोग करने नहीं दिया जा सकता। प्रदेश महामंत्री शक्ति प्रसाद भट्ट ने स्पष्ट किया कि परिषद की नवनियुक्त कार्यकारिणीं को प्रदेश की सभी जनपद इकाईयों, स्वतंत्र जिला इकाइयों, घटक संघों का समर्थन प्राप्त है। ऐसी स्थिति में परिषद में किसी भी तरह की टूट होने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता है।

वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता में लंबी कूद में प्राची व उदय अव्वल

संवाद सहयोगी

कोटद्वार। उत्तरी झंडीचौड़ स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय की वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। म्यूजिकल चेयर में अनुराग प्रथम, सोनिया द्वितीय व सोहैल तृतीय रहे। वॉलीवाल में प्रबन्धन विभाग प्रथम व फार्मेसी विभाग द्वितीय स्थान पर रहा। लड़कियों की लम्बी कूद में प्राची प्रथम, अनामिका द्वितीय व श्रद्धा तृतीय स्थान पर रही। लड़कों की लम्बी कूद में उदय प्रथम, आदित्य भूषण द्वितीय व मोहित बिष्ट तृतीय स्थान पर रहे। समापन अवसर में विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो पीएस राणा ने मुख्य अतिथि स्वामी विश्वपाल जयंत व मेजर डा वीरपाल विद्यालंकार को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। प्रतिकुलपति ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल का जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। यह न केवल नीरसता को दूर कर मनोरंजन प्रदान करता है बल्कि प्रतिस्पर्धा की भावना भी पैदा करता है। मुख्य अतिथि ने विजेताओं को बधाई देते हुए प्रतिभागियों को यह संदेश दिया कि कमजोरी पर विजय व कर्म पर विश्वास हो तो सफलता निश्चित होती है। इसके बाद विजेता छात्र-छात्राओं को मेडल व पुरस्कार मुख्य अतिथि और प्रतिकुलपति के द्वारा प्रदान किया गया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. अनिल सिंह, चेयरपर्सन डॉ. आशा सिंह व डॉ. विभांशु विक्रम सिंह ने प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को बधाई दी। इस अवसर पर फार्मेसी के प्राचार्य डॉ के सरवानन, डॉ अनुज, डॉ दिव्या, राहुल राजपूत, गुरजंट सिंह, विकास पाल, शैलैश, सुमन, रक्षन्दा, उज्जवल, मिलन, कमल, हर्षित शर्मा, शशि, ब्रजेश, मुकेश, सुभाष, रवि, ज्योति नेगी, साक्षी, जूही, ऋतु, मीनू, श्वेता, इतिका, फरहत, रुचि, विकास, मीना, गौरव, आकांक्षा, पिंकी, योगिता, कुसुम, रूपाली आदि रहे।

मोक्षदायिनी व जीवनदायिनी नदियों के प्रदूषित होने पर जताई चिंता

संवाद सहयोगी

बागेश्वर। वरिष्ठ नागरिक जन कल्याण न्यास की यहां आयोजित बैठक में सरयू तथा गोमती नदियों के लगातार प्रदूषित होने पर चिंता जताई गई। मोक्षदायिनी व जीवन दायिनी नदियों के संरक्षण के लिए सभी से आगे आने की अपील की गई। साथ ही यहां स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही लोगों को भी जागरूक करने का सुझाव दिया, ताकि नदियों को प्रदूषित होने से बचाया जा सके। परिहार पैलेस में रविवार को आयोजित बैठक में पूर्व में की गई बैठक की समीक्षा की गई। इसके बाद न्यास के 12 वर्ष पूरे होने पर खुशी जताई गई। समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए सभी से आगे आने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि कर्मकांड जैसे कार्यक्रमों में कर्मों में अधिक ध्यान देने की जरूरत है। समाज में कर्मों को दरकिनार कर फोटोग्राफी पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। जो समाज के लिए ठीक नहीं है। जन्मदिवस कार्यक्रम रात के बजाए दिन में मनाने का सुझाव दिया गया। साथ ही शवदाह करने आने वाले लोगों से अपील की गई की वह शवदाह के बाद बची लकड़ियों, बांस के लट्ठों तथा कपड़ों को नदी में न डालें। उसे किनारे एकत्रित कर दे। इससे नदी को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। अध्यक्षता न्यास के अध्यक्ष दलीप खेतवाल तथा संचालन चरण सिंह बघरी ने किया।